Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 105 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, मंगलवार 08 अक्टूबर 2024 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

भारत देश आज अर्त की हवा में इतना बहक जा रहा है कि वह अपने अतीत के आदर्श भूलने जा रहा है।

Today, India is flowing in the air of materialism to such an extent that is forgettien the ideals of its glorious past.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

संक्षिप्त समाचार

23 अक्टूबर से न्याय यात्रा निकालेगी कांग्रेस

नई दिल्ली (आरएनएस)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जम्मू-कश्मीर और हरियाणा के बाद अब दिल्ली चुनाव की तैयारी शुरू कर दी है। 23 अक्टूबर से वह दिल्ली में 'न्याय यात्रा' का नेतृत्व करेंगे, जिसमें प्रियंका गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे भी शामिल होंगे। यह यात्रा चार चरणों में आयोजित की जाएगी, जिसमें त्योहारों का भी ध्यान रखा जाएगा। सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस पार्टी यात्रा के दौरान दिल्ली में बीजेपी के तीन बार जीत रहे सांसदों की असफलताओं को एक प्रमुख मुद्दा बनाएगी। पार्टी शीला दीक्षित के कार्यकाल को याद दिलाते हुए मोदी सरकार, उपराज्यपाल और आम आदमी पार्टी (आप) के बीच चल रहे विवादों पर भी हमला करेगी।

हरियाणा चुनाव : पंचकूला में स्ट्रांग रूम में रखे ईवीएम, सुरक्षा के पुख्ते इंतजाम

पंचकूला (आरएनएस)। चुनावी राज्य हरियाणा में पांच अक्टूबर को मतदान प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। अब ईवीएम को स्ट्रांग रूम में सुरक्षित रखा गया है। हरियाणा के पंचकूला जिले के दो विधानसभा क्षेत्रों में भी वोटिंग के बाद ईवीएम को सुरक्षित स्ट्रांग रूम में रखा गया है। दरअसल, पंचकूला की दो विधानसभा सीटों कालका और पंचकूला में शनिवार को शांतिपूर्ण ढंग से मतदान प्रक्रिया संपन्न हुई।

हथियार छोड़ मुख्यधारा से जुड़े युवा : अमित शाह

नक्सलवाद के खिलाफ छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की रणनीति की हुई सराहना

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश के नक्सल प्रभावित राज्यों में जारी नक्सलवाद के खिलाफ चल रहे अभियानों पर एक अहम बैठक आज नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने की, जिसमें छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और अन्य नक्सल प्रभावित राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने हिस्सा लिया। इस महत्वपूर्ण बैठक का केंद्र बिंदु छत्तीसगढ़ का हाल ही में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। नक्सल विरोधी ऑपरेशन था, जिसमें राज्य की पुलिस ने 31 नक्सलियों को ढेर किया।

इस ऑपरेशन में छत्तीसगढ़ पुलिस की कुशल रणनीति और राज्य सरकार की योजनाओं की सफलता पर विशेष चर्चा की गई। बैठक में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जेपी नड्डा, केंद्रीय गृह राज्यमंत्री श्री नित्यानंद राय तथा छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा भी उपस्थित रहे।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस ऑपरेशन में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उनकी टीम के प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि जनवरी से अब तक छत्तीसगढ़ के सुरक्षा बलों ने लगभग 194 नक्सलियों को मुठभेड़ में मार गिराए हैं। वहीं 801 नक्सली गिरफ्तार हुए एवं 742 नक्सलियों ने आत्म समर्पण किया है। उन्होंने कहा आज भी जो युवा नक्सलवाद में लिप्त है उनसे आग्रह है कि हथियार छोड़ कर मुख्य धारा से जुड़े। सभी राज्यों ने आपके पुनर्वास के लिए बेहतर योजनाएं बनाई हैं उसका फायदा लीजिए।

छत्तीसगढ़ के नक्सल ऑपरेशन पर केंद्रीय गृह मंत्री ने की तारीफ

देश के नक्सल प्रभावित राज्यों के मुख्यमंत्रियों की हुई बैठक

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बैठक में नक्सल ऑपरेशन की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कैसे राज्य पुलिस और खुफिया एजेंसियों ने महीनों की मेहनत और प्लानिंग के बाद इस ऑपरेशन को अंजाम दिया। ऑपरेशन में करीब 1000 जवान शामिल थे, जिन्होंने 15 किलोमीटर के दायरे में स्थित गवाड़ी पहाड़ को घेरकर 31 नक्सलियों को ढेर किया। इस ऑपरेशन में कई बड़े नक्सली नेता मारे गए, जिनमें 16 पर कुल 1 करोड़ 30 लाख का इनाम घोषित था। मुठभेड़ में 18 पुरुष और 13 महिला नक्सली मारे गए।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने प्रजेंटेशन में बताया कि कैसे राज्य की पुलिस फोर्स ने सटीक खुफिया जानकारी के आधार पर इस ऑपरेशन को अंजाम दिया। मुख्यमंत्री ने बैठक में केवल ऑपरेशन की सफलता पर ही नहीं, बल्कि राज्य में चल रहे विकास कार्यों पर भी विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास कार्यों की गति बढ़ाई गई है। हम निरंतर गाँवों तक बुनियादी सुविधाएँ पहुंचा रहे हैं, जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, और महिला सशक्तिकरण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जी के लगातार मिल रहे मार्गदर्शन में हमने माओवादियों के कोर को तोड़ा। ऐसे एरिया में हमने 32 नये कैम्प स्थापित किये हैं, जिसे वो अपनी राजधानी तक कहते थे। उनकी बटालियन के कमांडर हिड़मा के गाँव में भी हमने कैंप स्थापित किया और वह खुद उसकी माँ को भी स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध कराई। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ सरकार की आगे की योजनाओं पर भी चर्चा की। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार का मुख्य लक्ष्य नक्सलियों के बचे हुए गढ़ों को समाप्त करना और इन इलाकों में स्थाई शांति और विकास सुनिश्चित करना है। निकट भविष्य में, दक्षिण बस्तर में 29 नए सुरक्षा कैंपों की स्थापना की जाएगी, ताकि नक्सलियों के प्रभाव को खत्म किया जा सके।

केंद्र हरसंभव सहायता के लिए प्रतिबद्ध : केंद्रीय गृह मंत्री

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ में हुए सफल ऑपरेशन की तारीफ करते हुए अन्य राज्यों के मुख्यमंत्रियों से आग्रह किया कि वे भी छत्तीसगढ़ की खुफिया तकनीकी और आपसी समन्वय के आधार पर अपने अपने राज्यों में ऑपरेशन को अंजाम दे सकते हैं। गृह मंत्री ने यह भी कहा कि केंद्र सरकार छत्तीसगढ़ सहित अन्य नक्सल प्रभावित राज्यों को हर संभव सहायता देने के लिए प्रतिबद्ध है और राज्य में विकास कार्यों में तेजी लाने के लिए पूरा समर्थन देगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने की मुलाकात

राज्य की विकास योजनाओं और नक्सल उन्मूलन पर की चर्चा

8 लाख आवास स्वीकृत किये जाने पर प्रधानमंत्री का आभार जताया

नई दिल्ली (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी से उनके निवास पर मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने राज्य में पिछले नौ महीनों के दौरान हुए विकास कार्यों की जानकारी दी, जिसमें कृषि, कौशल विकास और शिक्षा के क्षेत्र में की गई प्रमुख पहलों को रेखांकित किया गया। इसके साथ ही उन्होंने राज्य में हाल ही हुए सफल नक्सल ऑपरेशन की जानकारी प्रधानमंत्री से साझा की। प्रधानमंत्री ने इस ऑपरेशन की सफलता पर सुरक्षा बलों के साहस की सराहना की। मुलाकात के दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आठ लाख आवास स्वीकृत किये जाने पर श्री नरेंद्र मोदी का आभार भी जताया।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने प्रधानमंत्री को माओवाद के खिलाफ राज्य में चल रहे ऑपरेशन और विकास कार्यों की प्रगति पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने नारायणपुर-दंतेवाड़ा जिले के हालिया ऑपरेशन का जिक्र करते हुए बताया कि सुरक्षा बलों ने 31 नक्सलियों को मार गिराया है, जो राज्य में अब तक का सबसे बड़ा नक्सल ऑपरेशन है। मुख्यमंत्री श्री साय ने छत्तीसगढ़ में चल रहे विकास कार्यों का ब्योरा भी प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया राज्य सरकार सड़कों, स्कूलों, अस्पतालों और अन्य बुनियादी सुविधाओं के विकास पर विशेष ध्यान दे रही है। रोजगार सृजन और ग्रामीण विकास के लिए भी विशेष प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के लोग मुख्यधारा से जुड़ सकें। प्रधानमंत्री मोदी ने इस सफलता की प्रशंसा की और कहा कि इससे न केवल राज्य में शांति बहाल हो रही है, बल्कि विकास की राह भी आसान हो रही है। मुख्यमंत्री साय ने बताया कि बस्तर और आदिवासी अंचलों में युवाओं के कौशल उन्नयन के लिए सरकार विशेष योजनाएँ चला रही है। इन योजनाओं के तहत युवाओं को विभिन्न तकनीकी और व्यावसायिक प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं, जिससे वे उच्च शिक्षा प्राप्त कर रोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त कर सकें। यह पहल राज्य के सामाजिक और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

कृषि के क्षेत्र में, मुख्यमंत्री साय ने प्रधानमंत्री को बताया कि छत्तीसगढ़ में डिजिटल तकनीक और उन्नत कृषि विधियों का व्यापक प्रयोग हो रहा है। इससे किसानों की उत्पादकता और उनकी आय में वृद्धि हो रही है। ये प्रयास प्रधानमंत्री के विकसित भारत 2047 के लक्ष्य के साथ मेल खाते हैं, और छत्तीसगढ़ इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में भी राज्य ने बड़े बदलाव किए हैं। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को बताया कि आदिवासी अंचलों में बच्चों को उनकी मातृभाषा में शिक्षा प्रदान की जा रही है, जिससे बच्चों की शैक्षणिक प्रगति में सुधार हो रहा है। साथ ही, तकनीकी शिक्षा पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

प्रधानमंत्री ने छत्तीसगढ़ सरकार के इन प्रयासों की सराहना की और कहा कि राज्य की विकास यात्रा अन्य राज्यों के लिए प्रेरणा है। उन्होंने मुख्यमंत्री साय को राज्य की प्रगति के लिए और भी अधिक समर्थन और सहयोग का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री साय ने बड़ी संख्या में आवास की स्वीकृति के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत लाखों परिवारों को अपने घर का सपना साकार हुआ है, जिससे उनके जीवन में स्थिरता और सुरक्षा का भाव उत्पन्न होगा।

स्वच्छता पखवाड़ा : स्वच्छ पटरी थीम पर मंडल ने सभी स्टेशनों के प्लेटफार्म की पटरियों पर गहन सफाई अभियान चलाया गया

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय रेलवे में स्वच्छ-रेल स्वच्छ-भारत के तहत स्वच्छता-पखवाडा का आयोजन किया जा रहा है। दिनांक 01 अक्टूबर से 15 अक्टूबर 2024 तक आयोजित इस स्वच्छता-पखवाडा में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर मंडल में प्रत्येक दिवसों के थीम के अनुसार विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

इसी क्रम में आज दिनांक 07 अक्टूबर को स्वच्छ पटरी(रेलपथ) थीम पर मंडल के सभी स्टेशनों के प्लेटफार्म के पटरियों पर श्रमदान के तहत विशेष स्वच्छता अभियान चलाई गई 7 मंडल के नामित अधिकारियों और कर्मचारियों की टीमों द्वारा मंडल के प्रमुख स्टेशनों के प्लेटफार्मों की पटरियों में स्वच्छता का गहन निरीक्षण किया गया। प्रमुख स्टेशनों के साथ ही साथ छोटे-छोटे स्टेशनों में भी स्वच्छता अभियान के तहत प्लेटफार्म के पटरियों की विशेष साफ-सफाई की गई 7 पटरियों के आसपास के घास की कटाई, ड्रेनेज प्रणाली की सफाई, प्लास्टिक कचरों का निष्पादन, पाइप लाइन का निरीक्षण करने के अलावा प्लेटफार्म के शौचालयों में बेहतर सफाई सुनिश्चित की गई 7 निरीक्षण के दौरान प्लेटफार्म में उपलब्ध सभी सफाई कर्मचारियों को स्वच्छता से सबंधित दिशा निर्देश दिये गए। यात्रियों से कचरे को प्लेटफार्म, पानी निकासी की जगह, पटरियों पर ना फेंकने और डस्टबीन के उपयोग करने की अपील की गई। इसके साथ ही यात्रियों को बताया गया की पानी की खाली बोतल पटरी पर न फेकें, इन बोटलों को बोटल क्रशर मशीन में डालें। पटरियों के आसपास के लोगों को खुले में शौच नहीं करने एवं यात्रियों को स्टेशन परिसर स्वच्छ व सुंदर बनाए रखने के प्रति जागरूक भी किया गया। स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत कल दिनाँक 08 अक्टूबर 2024 को स्वच्छ कार्य स्थल व स्वच्छ आवासीय परिसर थीम पर मंडल के सभी स्टेशनों, आवासीय परिसरों, रेलवे कालोनियों एवं सभी कार्यालयों में विशेष साफ-सफाई कर स्वच्छता अभियान चलाया जायेगा।

टेमरी में 30 करोड़ की लागत से अतिउच्चदाब उपकेंद्र ऊर्जीकृत

84 गांवों में 30 हजार उपभोक्ताओं को मिलेगा सीधा फायदा

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी निरंतर और गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति के लिए प्रदेश में लगातार पारेषण क्षमता का विस्तार कर रही है। इसी कड़ी में बेमेतरा जिले में 132/33 केवी सब-स्टेशन टेमरी को सफलतापूर्वक उर्जीकृत किया गया। इस परियोजना की कुल लागत 30 करोड़ रूपए है। साथ ही प्रदेश में 132केवी क्षमता के उप केंद्रों की संख्या 104 हो गई है। टेमरी उपकेंद्र से आसपास के करीब 84 ग्रामों के 30 हजार विद्युत उपभोक्ताओं, 8000 हजार कृषि पंप उपभोक्ता, किसानों को बेहतर बिजली मिल सकेगी। ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक राजेश कुमार शुक्ला ने स्विच ऑन कर 80 एमवीए क्षमता के इस सबस्टेशन को ऊर्जीकृत किया। श्री शुक्ला ने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशन एवं पॉवर कंपनी के अध्यक्ष डॉ. रोहित यादव के मार्गदर्शन में पॉवर कंपनी प्रदेश में निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति के लिए प्राथमिकता से काम कर रही है।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने लटोरी में नवीन तहसील कार्यालय का किया शुभारंभ

मंत्री राजवाड़े ने कहा- कार्यालय खुलने से क्षेत्र के नागरिकों के सुविधा में होगा विस्तार

रायपुर (विश्व परिवार)। महिला एवं बाल विकास और समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने आज सूरजपुर जिला के लटोरी में नवीन तहसील कार्यालय का शुभारंभ किया। इसके साथ ही क्षेत्र के निवासियों को आज एक बड़ी सौगात नवीन तहसील कार्यालय के रूप में मिली है, जिससे लोगों के समय व पैसे दोनों की बचत होगी। क्षेत्र के ग्राम पंचायत के लोग राजस्व संबंधी मामलों का निपटारा आसानी से प्राप्त कर सकेंगे।

इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने क्षेत्रवासियों को शुभकामनाएँ दी। उन्होंने कहा कि लटोरी में तहसील कार्यालय खुल जाने से आम नागरिकों को अब राजस्व संबंधी कामकाज के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि नवीन तहसील कार्यालय के खुलने से क्षेत्र के नागरिकों को इसका भरपूर लाभ मिलेगा। इससे राजस्व संबंधी मामलों के निपटारे में गति आएगी। साथ ही शासकीय योजनाओं के सुचारू रूप से क्रियान्वयन एवं प्रशासकीय कामकाज में कसावट लाने में सुविधा होगी। शासन की योजनाएं एवं मूलभूत सुविधाएं आम नागरिकों को आसानी से उपलब्ध होगी और विकास की रफ्तार भी बढ़ेगी।

गौरतलब है कि सूरजपुर जिला के नवीन तहसील कार्यालय का निर्माण लटोरी के नवापारा में 71.12 लाख की लागत से किया गया है। तहसील कार्यालय के निर्माण से आस-पास के 64 ग्रामों के लोगों को भी इसका लाभ मिलेगा। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, संबंधित अधिकारी-कर्मचारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

प्रतिभास्थली डोंगरगढ़ की छात्रा ने शतरंज में किया नाम रोशन

डोंगरगढ़ (विश्व परिवार)। ज्ञानोदय विद्यापीठ प्रतिभास्थली डोंगरगढ की कक्षा दसवीं की छात्रा कुमारी देशना जैन ने राज्य स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया जिससे इस प्रतिभासंपन्न छात्रा का राष्ट्रीय स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता में चयन हो गया है।

उल्लेखनीय है कि डोंगरगढ़ की प्रतिभास्थली आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के शिक्षा संबंधी प्रकल्पों में मे से एक है। इस छात्रा द्वारा शतरंज मे शानदार प्रदर्शन से प्रतिभास्थली का नाम रोशन हुआ है।

जौरा-अलापुर से कैलारस तक मेमू सेवा का विस्तार

वंदे भारत गाड़ियों और अमृत स्टेशनों से बन रहा है देश में रेलवे का नया स्वरूप : अश्विनी वैष्णव

मध्य प्रदेश में रेल के विकास के लिए आवंटित हुए हैं 14700 करोड़

नई दिल्ली (विश्व परिवार)। मध्य प्रदेश के जौरा, अलापुर और कैलारस स्टेशन के मध्य आमान परिवर्तन के उपरांत नवनिर्मित रेलखंड का लोकार्पण एवं आमान परिवर्तित रेल खंड पर तीन नई गाड़ियों की विस्तारित सेवा का हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर तथा मुरैना के सांसद शिवमंगल सिंह तोमर ने किया।

उपस्थित जन समुदाय को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित करते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि रेलवे गरीबों की सवारी है और मिडिल क्लास की सवारी है। आम जन को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए 12500 जनरल एवं स्लीपर कोच के निर्माण का आदेश दिया गया है। उन्होंने कहा कि बंदे भारत एक्सप्रेस नमो भारत रैपिड रेल और वंदे भारत स्लीपर ट्रेन के माध्यम से भारतीय रेल को नया स्वरूप देने का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 2004 से 14 वाली अवधि में मध्य प्रदेश में रेल के विकास के लिए औसतन 632 करोड रुपए का प्रावधान किया जाता था लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इस साल के बजट में 14700 करोड रुपए का प्रावधान मध्य प्रदेश में रेल के विकास के लिए किया गया है। केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने कहा कि भारतीय रेल को आम आदमी के लिए सुविधायक्त और आरामदायक बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन में रेल प्रशासन निरंतर प्रयासरत है। उत्तर मध्य रेलवे भी इस दिशा में तेजी से कार्य कर रहा है। ग्वालियर चंबल क्षेत्र रेलवे की दृष्टि से अति महत्वपूर्ण है। यह देश के चारों महानगरों सहित देश के सभी हिस्सों में ट्रेन सेवाओं के माध्यम से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। हम इस जुड़ाव को और पुख्ता कार्य करने के लिए प्रयासरत हैं। हमारे इन प्रयासों को केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य माधवराव सिंधिया जी, विधानसभा अध्यक्ष मध्य प्रदेश नरेन्द्र सिंह तोमर, सांसद मुरैना शिवमंगल सिंह तोमर का सहयोग सदैव से ही मिलता रहता है।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की अध्यक्षता में ब्रेवरेज कॉर्पोरेशन की बैठक

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ स्टेट बेवरेजेस कार्पोरेशन के संचालक मंडल की बैठक आज रायपुर के आबकारी भवन में आयोजित की गयी। बैठक की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने की। संचालक मंडल की इस बैठक में बेवरेज कारपोरेशन के विभिन्न एजेंडों पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में सर्वप्रथम 21 अगस्त को आयोजित बैठक में लिए गए निर्णयों का पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। बैठक में वित्तीय वर्ष 2023-24 के वित्तीय विवरणों का अनुमोदन भी किया गया। बैठक में बेवरेज कार्पोरेशन द्वारा दुर्ग एवं बिलासपुर के गोदामों में हाउस कीपिंग कार्य के लिए निविदा जारी करने कार्य का अनुमोदन किया गया, साथ ही अरसनारा-दुर्ग गोदाम के लिए एक नग जेनरेटर क्रय करने की भी स्वीकृति प्रदान की गयी।

गोदाम खोलने पर बनी सहमति

अध्यक्ष श्याम बिहारी जायसवाल ने सरगुजा संभाग में वाइन की उपलब्धता सुनिश्चित करने एवं आस पास के जिलों में स्टाक उपलब्धता के लिए मनेंद्रगढ़ में बेवरेज डिपो या गोदाम के संचालन का प्रस्ताव रखा जिस पर संचालक मंडल ने अपनी सहमति प्रदान की। मनेन्द्रगढ़ में बेवरेज गोदाम खुलने से गौरेला पेंड्रा मरवाही, मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर, कोरिया और सूरजपुर जिलों की वाइन दुकानों के लिए स्टाक का स्टोरेज किया जाएगा। बैठक में सचिव वाणिज्य कर आबकारी श्रीमती आर शंगीता, प्रबंध संचालक स्टेट बेवरेज कार्पोरेशन श्याम धावड़े, सचिव वित्त विभाग श्रीमती शारदा वर्मा समेत अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

दैनिक
विश्व परिवार

रायपुर/दुर्ग-भिलाई/बलौदाबाजार

रायपुर, मंगलवार 08 अक्टूबर 2024

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

व्यंग्यकार अनूप मणि त्रिपाठी को 'हरिशंकर परसाई व्यंग्य सम्मान'

हिंदी साहित्य एवं व्यंग्य संस्थान का आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। हिंदी साहित्य व व्यंग्य संस्थान की ओर से व्यंग्य महोत्सव व सम्मान समारोह का आयोजन सिविल लाइन स्थित वृंदावन हाल में किया गया। हरिशंकर परसाई व्यंग्य सम्मान लखनऊ के सुप्रसिद्ध व्यंग्यकार अनूप मणि त्रिपाठी को प्रदान किया गया। छत्तीसगढ़ गौरव सम्मान सुनील रामदास अग्रवाल, रायपुर तथा छत्तीसगढ़ साहित्य सम्मान लोक बाबू भिलाई को प्रदान किया गया। छत्तीसगढ़ समाज सेवा सम्मान नव दृष्टि फाउंडेशन (दुर्ग) को दिया गया।

इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में पूर्व महापौर प्रमोद दुबे, छत्तीसगढ़ योग आयोग के पूर्व अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा, छत्तीसगढ़ी विप्र समाज के अध्यक्ष विनय तिवारी तथा नई दिल्ली के प्रखर व्यंग्य आलोचक डॉ रमेश तिवारी और हिंदी साहित्य व व्यंग्य संस्थान के अध्यक्ष व वरिष्ठ व्यंग्यकार राजशेखर चौबे प्रमुखता से उपस्थित थे। सत्कार मूर्ति अनूप मणि त्रिपाठी ने अपना व्यंग्य 'सांपों की सभा' का पाठ कर खूब वाहवाही लूटी। कुशल संचालन श्रीमती शुभ्रा ठाकुर ने किया।

इस दौरान वरिष्ठ व्यंग्यकार राजशेखर चौबे के व्यंग्यसंग्रह 'संतरा गणतंत्र' पर चर्चा का आयोजन किया गया। डॉ रमेश तिवारी, रमेश सैनी और डॉ. महेंद्र कुमार ठाकुर ने व्यंग्यसंग्रह 'संतरा गणतंत्र' की समीक्षा की। इस दौरान पुस्तक मेला आकर्षण का केंद्र रहा।

समारोह के दूसरे सत्र में 'आज का समय और हरिशंकर परसाई' विषय पर गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता वरिष्ठ व्यंग्यकार विनोद साव (दुर्ग) ने की। मुख्य अतिथि के रूप में खंडवा से आए वरिष्ठ व्यंग्यकार कैलाश मंडलेकर तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ व्यंग्यकार अख्तर अली उपस्थित थे।

तीसरे सत्र में व्यंग्यपाठ का आयोजन किया गया। अध्यक्षता वरिष्ठ व्यंग्यकार व संस्था के संरक्षक डॉ महेंद्र कुमार ठाकुर (रायपुर) ने की। मुख्य अतिथि के रूप में डॉ रमेश तिवारी तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ व्यंग्यकार रमेश सैनी (जबलपुर), संतोष त्रिवेदी (दिल्ली) और मनीष रिबॉर्न विशेष रूप से उपस्थित थे। डॉ प्रदीप शर्मा के संचालन में वरिष्ठ व्यंग्यकार डॉ स्नेहलता पाठक, ईश्वर शर्मा, सुशील यादव, सुरेंद्र रावल, अरुण निगम, ऋषभ जैन, छगनलाल सोनी, राजेंद्र ओझा, वीरेंद्र सरल, संजीव ठाकुर, टीकाराम साहू 'आजाद' (नागपुर), राजेश जैन राही, डॉ अशोक शर्मा डॉ अनुराधा मिश्रा, निर्मला शर्मा, शुभा शर्मा, शीला तिवारी, रश्मि शुक्ला, शिव गुप्ता, आंनदकिशोर, हेमराज सूर्याबाबू विनोद गुप्ता राजेश अग्रवाल हीरालाल गिरी एस के खान विशेष रूप से सहभागिता की।

छत्तीसगढ़ साहू संघ (आईटी प्रकोष्ठ) का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

नवापारा राजिम (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ के आई. टी प्रकोष्ठ के नवनियुक्त पदाधिकारी का शपथ ग्रहण समारोह 6 अक्टूबर को माँ कर्मा धाम कृष्ण नगर रायपुर में रखा गया। शपथ ग्रहण समारोह में मुख्य अतिथि प्रदेश के उपमुख्यमंत्री अरुण साव, पूर्व गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू, अध्यक्षता छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ प्रदेश अध्यक्ष टहल सिंह साहू, विशिष्ट अतिथि विधायक मोतीलाल साहू, साहू समाज युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष व कसडोल विधायक संदीप साहू, राजिम विधायक रोहित साहू बेमेतरा विधायक दीपेश साहू उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि अरुण साव ने कहा की बड़ी खुशी की बात है कि छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ आईटी प्रकोष्ठ का गठन किया गया।आज समाज द्वारा किए गए विभिन्न कार्यों को सोशल मीडिया आईटी प्रकोष्ठ के माध्यम से समाज को और मजबूती प्रदान होगी। पूर्व गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू ने कहा कि मुझे विश्वास है कि आप सभी अपने-अपने दिए गए दायित्व को निस्वार्थ भाव से पूरा करेंगे और समाज को और आगे बढ़ाने में अपना अहम योगदान देंगे। छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ अध्यक्ष टहल सिंह साहू ने कहा साहू समाज द्वारा विभिन्न प्रकोष्ठ का गठन किया गया है।

राजकुमार कॉलेज के विद्यार्थियों ने अखिल भारतीय IPSC और राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता में अपना परचम लहराया

आल इंडिया IPSC -14,17 × 19 बालिका शूटिंग चैंपियनशिप 2024

रायपुर (विश्व परिवार)। दिनांक 03 से 05 अक्टूबर 2024 अखिल भारतीय आईपीएससी -14, 17×19 बालिका शूटिंग चैंपियनशिप 2024 और अखिल भारतीय आईपीएससी-11, 14×17 बालक-बालिका स्केटिंग टूर्नामेंट 2024 का आयोजन एमराल्ड हाइट इंटरनेशनल स्कूल, इंदौर में किया गया।

राजकुमार कॉलेज की टीम ने -19-177 एयर राइफल पीप साइट स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। इस टीम में सुनिष्का कुमार, जशवसी राजनंदनी देवी और इरीना लॉज शामिल थे। इरीना लॉज ने '68 वें नेशनल स्कूल गेम' के लिए IND BRONZE की उपलब्धि पाई। राजकुमार कॉलेज के टीम ने -17 177 एयर राइफल पीप साइट स्पर्धा में रजत पदक जीता। इस टीम में मृणालिका कुमार,कोहिनूर कौर,लेकिशा व्यास और खनक मुंधरा शामिल थे। आल इंडिया IPSC U-14, 17×19 बालिका शूटिंग चैंपियनशिप 2024 में कुल 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया। अखिल भारतीय IPSC U-11, 14×17 बालक-बालिका स्केटिंग टूर्नामेंट 2024- दिनांक 03 से 05 अक्टूबर 2024 अखिल भारतीय आईपीएससी -11, 14×17 बालक-बालिका स्केटिंग टूर्नामेंट 2024 का आयोजन एमराल्ड हाइट इंटरनेशनल स्कूल,इंदौर में किया गया। टूर्नामेंट में राजकुमार कॉलेज के कुल 16 विद्यार्थियों ने भाग लिया और कुल 23 पदक जीते। साथ ही '68वें नेशनल स्कूल गेम' के लिए पाँच विद्यार्थी- निर्भय सराफ, आदित्य जैन, राजवीर कुशवाहा, जैनिशा जैन और आरना जैन चयनित किये गए। 11 बालिका स्केटिंग टीम ने कांस्य पदक पर जीत हासिल की। इस टीम में आरना जैन (1 स्वर्ण , 2 कांस्य), प्रेक्षा जैन (1 रजत और 1 कांस्य) और जिविशा जैन ने (1 कांस्य) पदक अपने खाते में दर्ज कराया। 11 बालक स्केटिंग टीम ने स्वर्ण पदक पर जीत हासिल की। इस टीम में राजवीर कुशवाहा (1 स्वर्ण, 2 रजत), शौर्य साहू (2 कांस्य), आदित्य जैन ने (1 स्वर्ण, 1 कांस्य) पदक अपने खाते में दर्ज कराया। 14 बालिका स्केटिंग टीम में जैनिशा जैन (1 रजत और 2 कांस्य) और अनीत कौर ने (1 कांस्य) पदक अपने खाते में दर्ज कराया। 14 बालक स्केटिंग टीम में निर्भय सराफ ने (1 रजत) पदक प्राप्त किया। अंतर्विद्यालयीन छत्तीसगढ़ -14, 17×19 बालक-बालिका राज्य स्तरीय तैराकी चैंपियनशिप 2024- अंतर्विद्यालयीन,छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय तैराकी चैंपियनशिप 2024 का चार दिवसीय आयोजन दिनांक 03 से 06 अक्टूबर 2024 तक राजनंदगाँव में किया गया। जिसमें राजकुमार कॉलेज के कुल 16 विद्यार्थियों ने (12 तैराकी और 4 वाटर पोलो) में भाग लिया। विविध प्रतियोगिता में कुल 30 पदक (10 स्वर्ण, 15 रजत, और 5 कांस्य) हासिल किये गए।

पुण्यश्लोका लोक माता अहिल्या बाई होल्कर त्रिशाब्दी जन्म जंयती समारोह समिति का गठन

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। पुण्यश्लोका लोक माता अहिल्या बाई होल्कर त्रिशाब्दी जन्म जंयती समारोह समिति का गठन किया गया। यह वर्ष भारतीय जीवन के कर्तृत्व सम्पन्न नारी शक्ति की प्रत्यक्ष मुर्ति अहिल्या बाई होलकर की 300 जंयती वर्ष का इस निमित्त पुरे देश में आयोजन समिति का गठन किया जा रहा हैं इसी तारतम्य में बलौदा बाजार जिले की समिति का गठन एवं वार्षिक कार्य योजना कार्यशाला का आयोजन विगत दिनों सरस्वती शिशु मंदिर बलौदा बाजार में किया गया। जिसमें सर्व प्रथम आयोजन समिति के जिला कार्यकारिणी का नियोजन किया गया जिसमें सर्वसम्मति से अध्यक्ष जयनारायण केशरवानी जी, पूर्व प्राचार्य शासकीय डी के महाविद्यालय बलौदा बाजार, उपाध्यक्ष श्रीमति वर्षा मिश्रा विद्यालय संचालक कसडोल, सचिव श्री हेमंत टिकरीहा पतंजलि योग, सह सचिव श्री विनय कुमार ठाकुर, भाटापारा सह सचिव श्री सौरभ दुबे, विद्यालय संचालक सिमगा कोषाध्यक्ष श्री रूद्र कुमार चंद्रवंशी शिक्षक, बलौदाबाजार को मनोनीत किया गया।

साथ ही कार्यकारिणी सदस्य के रूप में मन्नु साहू भाटापारा, रिकेश साहू भटभेरा, टेशुलाल धुरंधर बलौदा बाजार, खोडसराम कश्यप बलौदा बाजार, भारती ठाकुर सुहेला, राजेन्द्र निराला बरपाली, राकेश ध्रुव बलौदा बाजार, कुणाल सिंह भाटापारा, केवल साहू बनसाकरा, राजेश्वरी साहू अर्जुनी, अभिषेक तिवारी बलौदा बाजार, गोपेश तिवारी भाटापारा, मीना साहू पलारी, मिथिलेश साहू ससहा, टिकेश्वरी पटेल बलौदा बाजार, किरण वर्मा बलौदा बाजार को मनोनीत किया गया। कार्यकारिणी गठन के साथ ही आगामी समिति के कार्य विस्तार के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया।

संक्षिप्त समाचार

छत्रपति शिवाजी स्कूल रावतपुरा कॉलोनी में दुर्गा पूजा सेलिब्रेशन धूमधाम से मनाया गया

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्रपति शिवाजी स्कूल रावतपुरा कॉलोनी में दुर्गा पूजा सेलिब्रेशन बहुत ही धूमधाम से मनाया गया। इस सेलिब्रेशन की थीम रेड एंड व्हाइट रखी गई।जिसमें स्कूल के बच्चों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।सभी बच्चे और टीचर्स लाल और सफेद रंग की साड़ी में नजर आए। बच्चे मां दुर्गा मां सरस्वती लक्ष्मी गणेश जी और कार्तिक भगवान के रूप में नजर आए। सभी टीचर्स ने बंगाली धुनुची नाच भी किया। इस उपलक्ष्य में स्कूल की प्राचार्या श्रीमती अपर्णा कर्मकार व अन्य शिक्षिकाएं उपस्थित रही।

भारतीय मजदूर संघ की बैठक शंकर नगर बीटीआई ग्राउंड में हुई सम्पन्न

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ प्रदेश वाहन चालक संघ संबंध भारतीय मजदूर संघ की बैठक आज दिनांक 6 अक्टूबर 2024 रविवार शंकर नगर बीटीआई ग्राउंड में रखा गया जिसमें संगठन से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई इसमें प्रमुख रूप से प्रदेश अध्यक्ष गेंदलाल साहू उपाध्यक्ष रेशम साहू महामंत्री दीपक बाग कोषाध्यक्ष पवन श्री वास संगठन मंत्री हैरिसन रॉय जिला अध्यक्ष मनोज साहू रूमलाल यादव दिलीप साहू हमारे संगठन की ई रिक्शा चालिका हमारी बहने एवं सदस्य गण प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

महाराष्ट्र मंडल में आकाशदीप बनाने का प्रशिक्षण आज

रायपुर (विश्व परिवार)। अपनी सांस्कृतिक विरासत को संजोये

रखने के लिए महाराष्ट्र मंडल की कला एवं संस्कृति समिति की ओर से मंगलवार, 8 अक्टूबर को दोपहर दो बजे चौबे कालोनी स्थित मंडल में आकाशदीप बनाने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण शिविर की समन्वयक भारती पलसोदकर ने बताया कि इच्छुक बच्चों-युवाओं को कला एवं संस्कृति समिति के प्रमुख अजय पोतदार और शेखर क्षीरसागर डिजाइनर व रंगबिरंगे आकाशदीप बनाना सिखाएंगे। प्रशिक्षणार्थियों से तय समय से पहले महाराष्ट्र मंडल पहुंचने का आग्रह किया गया है।

राष्ट्रीय सेमीनार में किसान नेता पारसनाथ साहू ने लिया भाग, किसानों की समस्याओं को शीघ्र दूर करने रखी मांग

आरंग (विश्व परिवार)। किसानों की समस्यायों और विभिन्न मांगों पर सीधी बातचीत के लिए भारत सरकार समय समय पर देश के किसानों से सुझाव के लिए राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित करते हैं।इसी कड़ी में सोमवार को किसानों की मांगों और समस्यायों पर चर्चा परिचर्चा व सुझाव के संबंधी पूषा भवन दिल्ली में सेमिनार आयोजित किया गया। जिसमें ग्राम भिलाई के किसान नेता पारसनाथ साहू ने छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व किया।

श्री साहू ने बताया सेमीनार में राष्ट्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने देशभर से पहुंचे किसानों से सीधी बातचीत किया। और किसानों की मांग और समस्यायों से अवगत हुआ। वहीं किसान नेता पारसनाथ साहू ने छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करते हुए प्रदेश के किसानों की ओर से सभी फसलों के लाभकारी समर्थन मूल्य खरीदी की कानूनी गारंटी, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में अनिमितता, कृषि लागत एवं मूल्य आयोग को संवैधानिक दर्जा देने, देश भर में सिंचाई क्षमता बढ़ाने, खाद, बीज की समुचित व्यवस्था के साथ नैनो यूरिया पर रोक लगाने, इंपोर्ट एक्सपोर्ट पर व्यापक सुधार करने, ट्रैक्टर आदि की खरीदी पर ट्रैक्टर की कीमत तक ही कृषि जमीन बंधक बनाने, खुले में घूम रहे मवेशियों की समुचित व्यवस्था करने, गोवंशों का संरक्षण, कृषि कार्य में मनरेगा को जोड़ने, गांव-गांव में वेयरहाउस निर्माण, जैविक खेती पर पर्याप्त सब्सिडी देने, बेहतर से बेहतर कृषि नीति बनाने, कृषि से जुड़े सभी समितियों में किसानों की पर्याप्त भागीदारी सुनिश्चित करने सहित कृषि से जुड़े छोटे बड़े विभिन्न समस्याओं पर बात रखते हुए इन समस्याओं को दूर करने की मांग रखा। जिसपर राष्ट्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किसानों की समस्यायों को जल्द ही दूर करने का आश्वासन दिया।

कार्यालय, जोन क्रमांक-10, नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

निविदा आमंत्रण सूचना

कार्यालय 38/न.पा.नि./जोन-10/24-25 दिनांक 07.10.2024

मैनुअल पद्धति निविदा आमंत्रित की जाती है-

01. निविदा प्रपत्र हेतु आवदेन तिथि - 21.10.2024 कार्यालयीन समय 5:00 बजे तक
02. निविदा प्राप्त करने की तिथि - 22.10.2024 कार्यालयीन समय 5:00 बजे तक
03. निविदा जमा करने की तिथि - 28.10.2024 कार्यालयीन समय 3:00 बजे तक
04. निविदा खोलने की तिथि - 28.10.2024 कार्यालयीन समय 5:00 बजे तक

कार्य का विवरण निम्नानुसार है :-

क्र.	कार्य का नाम	आगणित राशि (लाख में)	अमानती राशि	निविदा प्रपत्र मूल्य	ठेकेदार की श्रेणी	प्रपत्र एवं एस.ओ. आर. का विवरण	समय विधि
01	बाबू जगजीवन राम वार्ड क्र.53 अंतर्गत हिमालयन हाईट्स से एक्सप्रेस-वे रोड तक फेसिंग एवं ग्रीनलैण्ड विकास कार्य। (सामान्य मद)	17.53	13500/	750/-	"डी" एवं इससे ऊपर	प्रपत्र "अ" (पी.डब्ल्यू. डी.भवन दिनांक 01.01.2015 संशोधित एसओआर)	02 माह

01. नगर पालिक निगम, रायपुर द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु लोक निर्माण विभाग छ.ग. शासन, रायपुर में एकीकृत पंजीयन प्रणाली से सक्षम श्रेणी में पंजीकृत तथा कार्य के अनुभवी ठेकेदारों से तीन लिफाफा पद्धति जमा करना है।
02. लिफाफा (अ) में अमानती राशि का एफ.डी.आर. व शपथ पत्र एवं चाही गई समस्त दस्तावेज।
03. लिफाफा (ब) में निविदा प्रपत्र भरकर सीलबंद करना होगा। 4. (अ)+(ब) एक अन्य तीसरे लिफाफा (स) में भरकर ही स्पीड पोस्ट के द्वारा प्राप्त किया जावेगा।
05. सर्वप्रथम लिफाफा (स) खोलने के पश्चात् लिफाफा (अ) खोला जावेगा जिसमें अमानती राशि का एफ.डी.आर. एवं
06. अन्य चाही गई दस्तावेज होने पर ही निविदा प्रपत्र की लिफाफा (ब) खोली जावेगी तथा लिफाफे में अ.ब.स अंकित होगा अनिवार्य है। निविदा जमा करने की तिथि एवं खोलने के तिथि में किसी वजह से अवकाश घोषित होता है तो वह कार्यालयीन दिवस में किया जावेगा।
07. सक्षम श्रेणी का ई-रजिस्ट्रेशन, बैंक सालवेंसी, अंतिम तीन साल का आईटीआर, पेन कार्ड, जीएसटी रजिस्ट्रेशन एवं अंतिम तीन माह का जी.एस.टी.आर., अमानती राशि का एफ.डी.आर. के साथ जमा करना अनिवार्य होगा।
08. किसी भी निविदा को स्वीकार अथवा अस्वीकार करने का अधिकार नगर निगम रायपुर के पास सुरक्षित है।
09. निविदा संबंधी अन्य शर्ते एवं जानकारियों कार्यालय अवधि/दिवस में प्राप्त की जा सकती है।
10. ठेकेदार को From A में दिये गये सभी शर्ते के अनुसार कार्य किये जाना अनिवार्य है।

घरो से निकलने वाले सूखा और गीला कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

जोन आयुक्त,
जोन क्रमांक-10,
नगर पालिक निगम, रायपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./14973/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 07-10-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 14973
वार्ड का नाम- 15 - ने. कन्हैयालाल बाजारी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 15 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR108B0366A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **ASHOK MANDHANI, MANOHAR MANDHANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **VEERUMAL MANDHANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. SATISH KUMAR MANDHANI 2. VIKASH MANDHANI 3. MAMTA MANDHANI 4. MANOHAR LAL MANDHANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O, W/O LATE ASHOK KUMAR MANDHANI, S/O 4. LATE VEERUMAL MANDHANI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **MRITYU PRAMAN PATRA, B1 KHASRA** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./15047/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2024
रायपुर दिनांक : 07-10-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 15047
वार्ड का नाम- 13- राजीव गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 13 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR222G0007B** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **ANURAG AGRAWAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O LATE. OMPRAKASH AGRAWAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्रीमती शहेनाज बानो** पिता/पति, श्री/श्रीमती **पति- श्री अब्दुल जब्बार डगली** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./14998/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2024
रायपुर, दिनांक 07-10-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 14998
वार्ड का नाम-30- शंकर नगर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड-30 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR331B00168** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SMT. ANJU MARWAH** पिता/पति श्री/श्रीमती **W/O MANOJ MARWAH** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. श्री सुजीत सिंह - पिता - रामानुज सिंह** पिता/पति श्री/श्रीमती **2 (I) ना. बा. अभिषेक सिंह, (II) ना. बा. आदेश सिंह - पिता श्री सुजीत सिंह** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत हक त्याग**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री जसदेव सिंह बाबरा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./14976/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 07-10-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 14976
वार्ड का नाम- 15 - ने. कन्हैयालाल बाजारी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 15 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR108B00366** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **RAM MANDHANI, ANIL MANDHANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **VEERUMAL MANDHANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. RAJESH MANDHANI 2. SURAJ KUMAR MANDHANI 3. SADHNA DEVI MANDHANI 4. ANIL KUMAR MANDHANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O, W/O LATE RAM KUMAR MANDHANI, S/O 4. LATE VEERUMAL MANDHANI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **MRITYU PRAMAN PATRA, B1 KHASRA** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./14831/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 07-10-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 14831
वार्ड का नाम- 04 - यतियतन लाल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 04 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR104D0741A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **NAVINRAM JI PARMAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O R B PARMAR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्रीमती गायत्री चावड़ा** पिता/पति, श्री/श्रीमती **पति- श्री विजय कुमार चावड़ा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./14732/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 07-10-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 14732
वार्ड का नाम- 04 - यतियतन लाल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 04 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR105A03853** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **RAMESH JASWANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **ASAN DAS JASWANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **MANOJ JASWANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O LATE RAMESH JASWANI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **NATIONAL LOK MADALAT KI ADESH COPY** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./14832/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 07-10-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 14832
वार्ड का नाम- 17 - ठक्कर बापा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 17 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR109C00268** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **PANCH RAM SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **...** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. JAM BAI SAHU 2 MEENA SAHU 3 ARUN KUMAR SAHU 4 YOGESH KUMAR SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **PANCH RAM SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **...** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर सोमवार 07 अक्टूबर 2024

धर्म युद्ध लड़कर धर्म एवं राज्य की रक्षा क करने वाली वीरांगना महारानी दुर्गावती को श्रद्धांजली दी गई

गोपाल सिंह विद्रोही

सुरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- देश व समाज के लिए अपने प्राणों का बलिदान कर भारतीय इतिहास के सुनहरे अक्षरों में अपना नाम अमर करने वाली वीरांगना दुर्गावती महारानी को आदिवासी समाज एवं आदिवासी समाज सहित अन्य समाज के लोगों ने श्रद्धा सुमन अर्पित कर उनके जीवन पर प्रकाश डाला।

अदम्य साहस और शौर्य की प्रतिमूर्ति, महान वीरांगना रानी दुर्गावती ने देश के लिए खुद को समर्पित कर दिया।

अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम जिला-सूरजपुर के द्वारा विरांगना रानी दुर्गावती की 500वीं जन्म-जयंती ग्राम पंचायत गोरखनाथपुर में ग्रामीणों एवम् जनजातीय समाज के साथ मनायी गयी। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष राजेश अग्रवाल ने वीरांगना महारानी दुर्गावती की अदम्यता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतवर्ष में कई देवियां ऐसी उत्पन्न हुई समाज की लिए अपने संपूर्ण परिवार को बलिदान दे दिया परंतु दुश्मनों के सामने कभी झुक कर सलाम नहीं किया उन्हें वीरांगनाओं में महारानी दुर्गावती है जो आदिवासी समाज के साथ-साथ संपूर्ण हिंदू समाज के लिए प्रेरणा स्रोत हम सब ऐसी विरामगाना को कोटि कोटि नमन करते हैं।सचिव रामधनी भगत, जिला संगठन मंत्री गोपाल राम,हेमराज सिंह ने कहां कि भारतवर्ष वीरों का देश है जिसमें बच्चे बुजुर्ग एवं महिलाओं ने अपने वीरता का परिचय दिया है। इनके लिए देश प्रथम,राष्ट्र प्रेम, कण कण में शंकर है। हम शास्त्र एवं शास्त्र दोनों का पूजन करते हैं ।माता दुर्गावती ने आदिवासियों के गौरव के साथ-साथ पूरे भारतवर्ष एवं हिंदू समाज के लिए प्रेरणा स्रोत है। हम सब इन्हें कोटि कोटि नमन करते हैं। महारानी दुर्गावती को श्रद्धांजली अर्पित करते हुए आमावती नेताम ने अपने विचार व्यक्त किये। अपने उद्बोधन में राजेश अग्रवाल ने विरांगना रानी दुर्गावती की नेतृत्व क्षमता,अदम्य साहस और बलिदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रानी दुर्गावती का जीवन प्रत्येक युवा के लिए प्रेरणा स्रोत है। कार्यक्रम में रूपनराम, रूपाली सिंह, हीरासिंह करियाम, संगीता भगत,हिरामणी टेकाम, सुनीता, कौशल्या, अंजना, कलेश्वरी, सुखराजो सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की सफ्लता के लिए पवनराम,मुकेश राणा, महेश गुप्ता एवम् केशव भगत सक्रिय रहे।

संक्षिप्त समाचार

लोकपाल सुरेंद्र कुमार ने ग्राम पंचायत जगन्नाथपुर के मनरेगा कार्यों का किया निरीक्षण

सुरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-सुरजपुर के लोकपाल सुरेन्द्र कुमार ने ग्राम पंचायत जगन्नाथपुर विकास खंड रामानुजनगर में चल रहे मनरेगा के काम का निरिक्षण किया। इस दौरान शिव प्रसाद ने बताया कि गली पलक के तहत मनरेगा में यह कार्य कराया जा रहा है।निरिक्षण के दौरान लोकपाल सुरेन्द्र कुमार ने मनरेगा में कार्य कर रहे मोतीलाल, बिहारी, सुरेन्द्र,बंसवारी, बनारसी राजवाड़े से बातचीत करते हुए अन्य सुविधाओं कि जानकारी प्राप्त की। मजदुरो ने बताया कि गली पलक के बनने से पानी रूक जायेगा जिससे हम सभी लोगों को सिंचाई कि सुविधा मिलेगी। लोकपाल सुरेन्द्र कुमार ने बताया है कि रोजगार गारंटी योजना और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत सुरजपुर जिला में चल रहे कार्यों का सतत निरीक्षण लगातार किया जा रहा है।

महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने किया नया तहसील कार्यालय का उदघाटन, 'एक पेड़ माँ के नाम' पौधारोपण भी

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार), आज छत्तीसगढ़ की महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री, श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने आज सूरजपुर जिले के ग्राम पंचायत लटोरी में नए तहसील कार्यालय का विधिवत उदघाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने ग्रामीणों को सरकार की योजनाओं और जनकल्याणकारी नीतियों के लाभों की जानकारी दी। साथ ही, उन्होंने 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत एक पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जागरूकता का संदेश दिया। श्रीमती राजवाड़े ने पौधारोपण के लाभों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस अभियान का उद्देश्य केवल पर्यावरण का संरक्षण नहीं, बल्कि माताओं के सम्मान में समाज को जोड़ने और भावनात्मक संबंधों को सुदृढ़ करना भी है। उन्होंने कहा कि पौधे न केवल हमें शुद्ध हवा और छाया देते हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित पर्यावरण का आधार भी रखते हैं। एक पेड़ माँ के नाम पहल से माताओं के प्रति सम्मान की भावना और प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी को बढ़ावा मिलता है। नए तहसील भवन के उद्घाटन से ग्रामीणों को अनेक सुविधाएं प्राप्त होंगी। अब ग्राम पंचायत लटोरी और इसके आसपास के क्षेत्र के लोगों को सरकारी कार्यों जैसे भूमि रिकॉर्ड, जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, और अन्य प्रशासनिक सेवाओं के लिए समस्याओं का सामना नहीं करना पड़ेगा। इससे स्थानीय निवासियों को समय और पैसे की बचत होगी, साथ ही उनकी समस्याओं का तेजी से समाधान भी होगा। श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि इस भवन से प्रशासनिक कामकाज में सुगमता आएगी और स्थानीय विकास को नई दिशा मिलेगी। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि, ग्रामीण और प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

प्राचीन गढ़वतिया धाम में सुविधाओं का अभाव

चैत्र व शारदीय नवरात्र में दर्शन के लिए उमड़ते हैं श्रद्धालु

भक्तों को रही परेशानी प्रशासन की उदासीनता से प्राचीन मूर्तियां हो रही हैं नष्ट

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- बिहारपुरचांदनी-बिहारपुर क्षेत्र के महली गांव में स्थित गढ़वतिया मां दुर्गा का मंदिर में सुविधाओं का अभाव होने से माता भक्तों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उल्लेखनीय है कि जिला मुख्यालय से 125 किमी दूर स्थित ग्राम महुली के गढ़वतिया पहाड़ पर मां अष्टभुजी का दरबार है। यहां चैत्र व शारदीय नवरात्र में मेले का आयोजन भी किया जाता है, लेकिन सुविधाओं के अभाव में भक्तों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। यहां न तो बिजली है और न ही पानी की व्यवस्था है। यहां तक कि मां के धाम तक पहुंचने के लिए रास्ता का भी अभाव है। विदित हो कि ग्रामीणों ने कुछ साल पहले सहायता राशि इकट्ठा कर सीढ़ी बनायी थी, लेकिन वह भी आधी-अधूरी होने से समस्या जस की तस बनी हुई है। शारदीय नवरात्रि के अवसर पर मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ हर रोज उमड़ रही है। श्रद्धालुओं की आस्था है कि यहां जो भी भक्त माता के दरबार में आते है, उन सभी भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। गढ़वतिया धाम के मुख्य पुजारी सोमारसाय व जगमोहन ने बताया कि माता के भक्त श्रद्धा भाव से जो भी अर्पण करते है, माता उनकी मनोकामना जरूर पूरी करती हैं। इस धाम का आकर्षण का केंद्र यह है कि यहां प्राचीन मूर्तियां है, लेकिन प्राचीन मूर्तियां संरक्षण के अभाव में टूटी पड़ी हैं। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से माता के धाम में मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था कराने की मांग की है।

धरोहर में महुली के गढ़वतिया पहाड़, सीता लेखनी पहाड़ के शिलालेख और लक्ष्मण पंजा, चपदा गांव की गुफा, जोगी माड़ा, कुदरगढ़ के शैलचित्र शामिल हैं।

पहाड़ पर है प्राचीन मूर्तियों का भंडार- गढ़वतिया पहाड़ में प्राचीन मूर्तियों का भंडार है, लेकिन संरक्षण के अभाव में बहुत सारी मूर्तियां टूट चुकी हैं और अस्त-व्यस्त बिखरी हुई हैं। ग्रामीणों ने कलेक्टर से मूर्तियों के संरक्षण व मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था करवाने की मांग की है। दर्शनीय स्थल होने के बावजूद भी अभी तक प्रशासन ने न तो बिजली की व्यवस्था की है और न ही पानी की कोई व्यवस्था है। इसके साथ ही पहाड़ पर चढ़ने के लिए सीढ़ियों का भी अभाव है। ग्रामीणों ने मंदिर को दर्शनीय स्थल घोषित कर पुरातत्व विभाग को सौंपने की मांग की है

पत्थरों के स्तंभों पर बना है शिवलिंग- पहाड़ी पर काले पत्थरों में बने शिवलिंग भी हैं, यहां इस तरह के लगभग 100 से अधिक पत्थर हैं। जब इन स्तंभों देखने पर पता चलता है कि काले पत्थरों से निर्मित स्तंभों के मध्य भाग में शिवलिंग बने हुए हैं। इसके दोनों ओर उमा महेश के दो उपासक वंदना की मुद्रा में दिखाए गए हैं। उनके ठीक ऊपर अभय की मुद्रा में हाथ उत्कीर्ण है। हाथ के दोनों ओर सूर्य और चांद की आकृति बनी हुई है और सबसे ऊपरी सिरे पर कलश की आकृति बनी हुई है। इनकी विशेषताओं के आधार इनका निर्माण काल संभवत: 9वीं सदी से 12वीं सदी के बीच का माना जा सकता है।

दसवीं शताब्दी के पुरातात्विक अवशेष भी मिले- जिले के बिहारपुर क्षेत्र के गढ़वतिया पहाड़ी पर कई सदी पुराने स्तंभ मिले हैं, पहाड़ के नीचे खाई में ऐसे कई अवशेष बिखरे पड़े हैं। काले पत्थरों से निर्मित स्तंभों में कुछ तो सही स्थिति में है, लेकिन कुछ जानकारी व सुरक्षा के अभाव में नष्ट होते जा रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि पुरातात्विक राजा बालम ने बनवाया था किला और मंदिर- मां गढ़वतिया धाम के संबंध में सोमार साय बैगा ने बताया कि पहाड़ पर शिव, गणेश, हनुमान, महिषासुर मर्दनी की मूर्ति भी देखने को मिलती हैं। इसे देखकर लगता है कि यहां कोई प्राचीन गढ़ रहा होगा। इसलिए इसका नाम गढ़वतिया पहाड़ पड़ा। मान्यता है। उन्होंने बताया कि इस पहाड़ी पर राजा बालम ने किला व मंदिर बनवाया था। राजा खैरवार जाति के थे, इसलिए पहाड़ी देवी की पूजा खैरवार जाति के बैगा ही करते हैं।

पोड़ी गोसाई में पुलिस ने यातायात नियमों की जानकारी देकर लोगों को किया जागरूक

कोरबा(विश्व परिवार)। सजग कोरबा अभियान में साईबर क्राइम, नशा के खिलाफ जागरूकता अभियान, अभिव्यक्ति ऐप, मैत्री महिला सुरक्षा हेल्पलाइन एवं यातायात के नियमों की जानकारी देकर जागरूक किया जा रहा है। चैकी जटगा पुलिस के द्वारा क्षेत्र के ग्राम पौड़ी गोसाई में बालिकाओं व महिलाओं को अभिव्यक्ति ऐप और मैत्री हेल्पलाइन के संबंध में जानकारी दिया जा रहा है एवं महिलाओं को किन-किन परिस्थितियों में इस ऐप का इस्तेमाल करना है और इसके क्या-क्या फायदे हैं। उसके बारे में भी पुलिस के द्वारा बताया एवं समझाया जा रहा है।साथ में नशा के खिलाफ यातायात नियम और साइबर अपराध के संबंध में जागरूक किया जा रहा है। सर्वमंगला मंदिर, मड़वारानी मंदिर, चैतुरगढ़ मंदिर, गरबा स्थल और दुर्गा पंडालों में ऑडियो चलाकर और सजग कोरबा के बैनर लगाकर लोगों को जागरूक किया जा रहा है। ज्ञात हो कि कोरबा पुलिस के द्वारा सजग कोरबा के तहत ह्वाट्सऐप, फ़ेसबुक, इंस्टाग्राम एवं अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्म के माध्यम से भी जागरूक किया जा रहा है।

डॉ. एस एस पोर्ते द्वारा बालक छात्रावास का उद्घाटन

कोरबा(विश्व परिवार)। कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र कटघोरा कोरबा में बालक छात्रावास का शुभारंभ डॉ एस एस पोर्ते अधिष्ठाता के द्वारा किया गया। विदित हो कि कटघोरा में विगत 5 वर्षों से कृषि महाविद्यालय संचालित है तथा वर्ष 2023 से ही नए भवन में कक्षाएं संचालित हो रही है। जिसमें छात्रावास निर्माणाधीन था जिसका काम पूर्ण होने के उपरांत 4 अक्टूबर के सौहार्दपूर्ण ढंग से प्रारंभ किया गया। वर्तमान में बालक छात्रावास की क्षमता 40 छात्रों की जिसे आगे विस्तार किया जाएगा। छात्रावास के उद्घाटन के सुअवसर पर डा एस एस पोर्ते अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय ने अपने ओजस्वी उद्बोधन में बताया कि छात्रावास की नींव भी उन्हीं के द्वारा रखा गया था और आज सौभाग्य से छात्रावास निर्माण के उपरांत उन्हीं के द्वारा उद्घाटन भी किया गया जिसके लिए उन्होंने माननीय कुलपति डॉ गिरीश चंदेल इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय का धन्यवाद किया। साथ ही अपने उद्बोधन में बताया कि नए साल में जनवरी से बालिका छात्रावास का भी निर्माण कार्य पूरा कर लिया जाएगा जिससे छात्राओं को बाहर रहने में परेशानी से छुटकारा मिलेगा। वर्तमान में 41 सीट इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर से प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु आबंटित है साथ ही इस वर्ष से भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली से भी 12 छात्रों को सीट आबंटित किया गया है। जिससे महाविद्यालय के कृषि शिक्षा में सतत् प्रयास को सफ्लता मिली और शीघ्र ही कृषि महाविद्यालय को आईसीएआर से एक्रेडिटिशन भी करवाया जायेगा जिससे कृषि महाविद्यालय से उत्तीर्ण छात्रों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सफ्लता मिल सके।

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने विजयदशमी के अवसर पर विशाल पथ संचलन किया

जगह-जगह लोगो ने पुष्प वर्षा कर किया स्वागत

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ खंड विश्रामपुर का पथ संचलन एवं शस्त्र पूजन विजयदशमी के उत्सव पर अपने पारंपरिक तरीके से मनाया गया । जानकारी के अनुसार जगह-जगह नगरवासियों ने राष्ट्रीय स्वयंसेवकों पर पुष्प वर्षा कर एवं भारत माता की जय, वंदे मातरम का उद्घोष कर समाज के द्वारा स्वयंसेवकों का स्वागत किया । इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से वक्ता के रूप में संघ के छत्तीसगढ़ प्रांत के सेवा प्रमुख श्रीमान तुलसीदास मानिकपुरी , कोरिया विभाग के विभाग कार्यवाह अमरदीप देवांगन मुख्य रूप से उपस्थित थे ।मुख्य वक्ता प्रांत सेवा प्रमुख तुलसीदास ने बताया की संघ 1925 से राष्ट्र सेवा में निरंतर कार्य कर रहा है, समाज में देशभक्ति और राष्ट्रीयता का भाव जाग्रित हो, शाखा परंपरा एवं प्रशिक्षण के माध्यम से करता रहा है ।समाज में सकारात्मक परिवर्तन हो इसके लिए पूज्य सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत ने पंच परिवर्तन के लिए समाज से आह्वान किया है, जिसमें पहला कुटुंब प्रबोधन परिवार के सभी सदस्य समय का अभाव होने के कारण कम से कम सप्ताह में एक दिन परिवार के साथ सामूहिक पूजन, भोजन एवं शुमंगल संवाद हो ऐसा आग्रह किया है, दूसरा सामाजिक समरसता समाज में किसी प्रकार का छुआछूत भेदभाव न हो, पानी और शमशान में किसी प्रकार का भेदभाव न हो, तीसरा पर्यावरण पर्यावरण का संरक्षण हो प्लास्टिक का बहिष्कार हो, पानी का दुरुपयोग ना हो, घर के आसपास हरियाली हो, चौथा स्वदेशी समाज में स्वदेशी का भाव जागृत हो देश का पैसा देश में रहे देश में रोजगार बढ़े इसके लिए समाज को स्वावलंबी होना पड़ेगा पांचवा नागरिक कर्तव्य भारत का सभी नागरिक संवैधानिक नियमों का पालन करें राष्ट्रीय संपत्ति हानि ना पहुंचाएं, यातायात के नियमों का पालन करें, अपने मूल दायित्व का

ईमानदारी से निर्वहन करें इस प्रकार का आग्रह समाज से किया इस कार्यक्रम को सफ्ल बनाने हेतु सह जिला संघचालक सत्यम गर्ग प्रांत संपर्क टोली सदस्य संजय भारत जी, सह जिला कार्यवाह विजय शर्मा, विष्णु अग्रवाल, जुगेश्वर राजवाड़े, शशि नानू, राजकुमार यादव, संतोष गुप्ता, योगेंद्र राजवाड़े, अजय यादव, मयंक गोयल, सुमित मित्तल, दिनेश राजवाड़े एवं अन्य स्वयंसेवक उपस्थित थे ।

संपादकीय

भविष्य के लिए संधि को मंजूरी

गैर-बराबरी और गरीबी का संबंध आर्थिक नीतियों से है, जिनमें परिवर्तन संयुक्त राष्ट्र के दायरे से बाहर है। इसीलिए ये संधि व्यावहारिक रूप से कोई फर्क डाल पाएगी, इसकी उम्मीद नहीं जगी है। बहरहाल, सदिच्छाओं का भी अपना महत्त्व होता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा में भविष्य के लिए संधि' को मंजूरी मिल गई है। 21वीं सदी की चुनौतियों का सामना करने के लिए इस संधि में दुनिया को एकजुट करने की बात कही गई है। इस तरह संयुक्त राष्ट्र ने विश्व हित की अपनी इच्छा जताई है। लेकिन विडंबना यह है कि आज दुनिया एकजुट होने के बजाय बंटती नजर आ रही है। जिस तरह का टकराव और कड़वाहट है, वैसा दूसरे विश्व युद्ध के बाद शायद ही कभी दिखा हो। फिर भी, कहा जा सकता है कि प्रतिकूल स्थितियों में भी आशा और प्रयास को तिलांजलि नहीं दी जानी चाहिए। इस लिहाज से संयुक्त राष्ट्र की ताजा पहल प्रशंसनीय है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेश ने 193 सदस्यों वाली महासभा को इस संधि को मंजूर करने के लिए धन्यवाद दिया। कहा कि इस संधि से जलवायु परिवर्तन, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, गैर-बराबरी और गरीबी जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए देशों के एकजुट होने का रास्ता खुला है, जिससे दुनिया के आठ अरब लोगों का जीवन बेहतर बनाया जा सकता है। रविवार को शुरू हुए दो दिवसीय भविष्य के शिखर सम्मेलन' के दौरान 42 पेज की संधि को अपनाया गया। संधि को अपनाने को लेकर महासभा की बैठक की शुरुआत तक संशय बना हुआ था। स्थिति इतनी अनिश्चित थी कि महासचिव गुटेरेश ने तीन अलग-अलग भाषण तैयार किए थे- एक पारित हो जाने के लिए, एक नामंजूर हो जाने की स्थिति के लिए, और एक उस स्थिति के लिए जब परिणाम स्पष्ट न हो। अंततः उन्होंने अपना पहला भाषण दिया। यहां तक सब ठीक है। लेकिन मुद्दा है कि जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याओं की वजह उपभोग बढ़ाने पर आधारित अर्थव्यवस्था है, जिस पर समझौता करने के कोई देश तैयार नहीं है। ना ही समस्या से निपटने के लिए गरीब देशों को वित्तीय मदद देने का अपना वादा धनी देशों ने निभाया है। इसी तरह गैर-बराबरी और गरीबी का संबंध आर्थिक नीतियों से है, जिनमें परिवर्तन संयुक्त राष्ट्र के दायरे से बाहर है। इसीलिए ये संधि व्यावहारिक रूप से कोई फर्क डाल पाएगी, इसकी उम्मीद नहीं जगी है। बहरहाल, सदिच्छाओं का भी अपना महत्त्व होता है।

श्रद्धा एवं आस्था का प्रतीक है नवरात्रि पर्व....

संतोष कुमारी गर्ग

भारत की भूमि उत्सव एवं मेलों की प्रतीक है। यहां पर प्रत्येक दिवस का अपना महत्व है। भारत की देव दर्शन संस्कृति विश्व भर में प्रचलित है। इसी परंपरा की श्रृंखला में नवरात्रि पर्व भी सम्मिलित है। नवरात्रि का अर्थ है नौ रातों का समय, जिसमें शक्ति की पूजा की जाती है। भारतीय सनातन धर्म परंपरा में एक वर्ष में चार बार नवरात्रि पर्व होता है जो चैत्र, आषाढ़, आश्विन एवं माघ मास शुक्ल प्रतिपदा से आरंभ होते हैं। आषाढ़ एवं माघ गुप्त नवरात्रि पर्व हैं जिनका विधान योगियों से संबंधित है। चैत्र एवं आश्विन नवरात्रि का विधान गृहस्थ जीवन में रहने वाले साधकों के लिए है। चैत्र एवं शारदीय नवरात्रि का विशेष महत्व एवं प्राचीन इतिहास है। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को हिंदू नव वर्ष के रूप में मनाया जाता है। शारदीय नवरात्रि आश्विन शुक्ल पक्ष प्रतिपदा से आरंभ होते हैं। भारत के विभिन्न राज्यों में नवरात्रों में पूजन की क्षेत्रीय विधियां भी हैं जो वहां की संस्कृति की प्रतीक हैं। गुजरात में गरबा नृत्य करके देवी को प्रसन्न किया जाता है। बंगाल में दुर्गा पूजा का महापर्व हर्षोल्लास से मनाया जाता है। उत्तर भारत में नवरात्रि महोत्सव की धूम निराली ही होती है। हिमाचल प्रदेश में इस पर्व की तैयारियों में शक्तिपीठ सजाए जाते हैं। देश के विभिन्न कोने से भक्त मां ज्वालादेवी, श्री नयना देवी, चिंतपूर्णी, वज्रेश्वरीदेवी, चामुण्डा देवी एवं कटड़ा में मां वैष्णो देवी के दर्शन के लिए लम्बी कतारें लगती हैं। चातुर्मास में जो धार्मिक एवं शुभ कार्य धार्मिक दृष्टिकोण से रोक दिए जाते हैं, वे नवरात्रि में शुरू हो जाते हैं। नवरात्रि का इतिहास वैदिक काल से भी पूर्व के समय से जुड़ा हुआ है। इस वर्ष हिंदू पंचांग के अनुसार 2081 शारदीय नवरात्रि पर्व आश्विन शुक्ल प्रतिपदा तिथि 3 अक्तूबर से आरंभ हो रहे हैं। नवरात्रि पर्व में मां दुर्गा के नौ अवतारों की पूजा की जाती है। पूजन विधि : भगवती मां दुर्गा अपने नौ अवतारों में साधकों एवं भक्तों के संकल्प को पूरा करती हैं। जिस भावना से भक्त अपनी देवी की उपासना करता है, विधि-विधान से दुर्गा स्तुति, दुर्गा सप्तशती पाठ एवं आरती करता है, मां उसी भावना के साथ उसके मनोरथ पूर्ण करती है। प्रत्येक एक दिन देवी के प्रत्येक अवतार का प्रतीक है। प्रथम नवरात्रि 3 अक्तूबर प्रातः ब्रह्म मुहूर्त में नित्य कर्म से निवृत्त होकर स्नान करके सर्वप्रथम गणेश स्तुति करने के बाद कलश स्थापना करें। इसके साथ जौं बोने की विधि को भी सम्पन्न करें। जौं को शास्त्रों में प्रथम फसल स्वीकार किया गया है। हवन सामग्री में भी जौं की आहुति अग्नि देवी को दी जाती है। जौं बीजना समृद्धि एवं प्रगति के सूचक हैं। इसके बाद आप देवी मां का स्मरण करते हुए संकल्प लें कि 'हे मां! हम आपकी शरणागत हैं और आप हमारी यह पूजन विधि सफल करना। आपके आशीर्वाद से ही यह कार्य सफल होगा। प्रतिदिन ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करने के पश्चात पुष्प, लाल सिंदूर, लौंग, इलायची, फल आदि अर्पित करें। आप अपनी सुविधानुसार गाय के घी का दीपक सुबह-शाम कर सकते हैं। यदि आपके पास समय एवं सामर्थ्य है तो आप नौ दिन उपवास एवं अखंड ज्योति भी प्रज्वलित करके भगवती मां को प्रसन्न कर सकते हैं। प्रथम नवरात्रि से नवम नवरात्रि तक मां के नौ अवतारों की पूजा विधि-विधान से की जाती है। नवरात्रि के नौवें दिन नौ कन्याओं को श्रद्धा एवं प्रेम के साथ घर पर आमंत्रित करके हलवा-पूड़ी, सब्जी, फल एवं चने आदि सात्विक आहार का भोग लगाया जाता है और सामर्थ्य के अनुसार उपहार एवं दक्षिणा दी जाती है। देवी का पूजन कुछ क्षेत्रीय मान्यताओं पर भी आधारित है। कई स्थानों पर भक्त महा अष्टमी को यह कार्यक्रम करते हैं। कुछ भक्त रामचरितमानस का पाठ भी करते हैं। शारदीय नवरात्रि में प्रभु श्रीराम रामेश्वरम धाम में समुद्र तट पर भगवती मां के नौ स्वरूपों की आराधना करते हैं और चार वेदों के ज्ञाता सभी ग्रहों को अपने वश में करने वाले महान विद्वान लंकापति राजा रावण को पराजित करने का वरदान प्राप्त करते हैं। नवरात्रि के दसवें दिन राम-रावण का समर असत्य पर सत्य, छल पर विश्वास एवं अहंकार पर परोपकार की विजय के साथ समाप्त होता है जिसे हम विजयदशमी या दशहरा के रूप में उत्सव मनाते हैं। मां के नौ स्वरूप हैं : शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कूष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी और सिद्धीदात्री। शैलपुत्री : शैल का शाब्दिक अर्थ चट्टान है। शैलपुत्री का अर्थ पहाड़ की बेटी है। मां पार्वती का पुनर्जन्म है। यह पहली नवदुर्गा का स्वरूप है। मां शैलपुत्री अरुणोदय में प्रकट हुई और सूर्यप्रभा से इनका रंग नारंगी हो गया। इनकी सवारी बैल है। पहले नवरात्रि को इस मंत्र का जाप अवश्य करें : 'या देवी सर्वभूतेषु मां शैलपुत्री रूपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।' ब्रह्मचारिणी : ब्रह्म का अर्थ है तप। ब्रह्मचारिणी का अर्थ है तप का आचरण करने वाली एक समर्पित देवी। मां का यह स्वरूप अंतर्मन की ऊर्जा को जागृत करने का प्रतीक है। मां पार्वती शिव को पति रूप में पाने के लिए वाम हस्त में कमंडल तथा दाहिनी हाथ में माल लेकर तप करने के लिए जाती हैं। उनके इसी स्वरूप को ब्रह्मचारिणी कहा जाता है। इस दिन आप ऐसी कुंवारी लडकी जिसका विवाह तय हो गया हो, लेकिन विवाह अभी होना हो, उसे शाम को देवी स्वरूप में बुलाकर श्रद्धा भाव से भोजन करवा कर उपहार दे सकते हैं। दूसरे नवरात्रि को इस मंत्र का जाप अवश्य करें : 'या देवी सर्वभूतेषु मां ब्रह्मचारिणी रूपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।' चंद्रघंटा : तीसरा नवरात्रि मां चंद्रघंटा को समर्पित है। शिव के साथ विवाह के पश्चात मां पार्वती ने चंद्रमा को अपने मस्तक पर सुशोभित किया, जिससे मां का यह स्वरूप विकसित हुआ। स्वर्ण से आभामय मां का 10 भुजाओं वाला स्वरूप है। अस्त्र-शास्त्र धारण करके मां सिंह की सवारी करती हैं। देवी के इस स्वरूप के पूजन से भक्तों को आरोग्य, सुख-संपदा की प्राप्ति होती है। शाम को आरती के बाद देवी को दूध से बने हुए मिष्ठान का भोग लगाकर प्रसाद को भक्तों में बांट दें। तीसरे नवरात्रि को इस मंत्र का जाप अवश्य करें : 'या देवी सर्वभूतेषु मां चंद्रघंटा रूपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।' कूष्मांडा : चौथा नवरात्रि मां कूष्मांडा को समर्पित है। देवी कुष्मांडा अष्ट भुजाओं वाली, दिव्य मुस्कान की स्वामिनी हैं। देवी ने अपनी अष्ट भुजाओं में कमंडल, कमल, कलश, सुदर्शन चक्र, धनुष, गदा बाण एवं सर्वसिद्धि माला को धारण किया है। जो साधक सच्चे मन से इनकी शरण में चला जाए, देवी उसकी हर समस्या का निदान करती हैं। कूष्मांडा देवी को कुम्हड़ा (कद्दू या पेठे) की बलि से प्रसन्न किया जाता है। देवी को लाल वस्त्र, नैवेद्य एवं श्रृंगार सामग्री भी अति प्रिय है। देवी के आशीर्वाद से भक्तों को यश की प्राप्ति होती है और दीर्घायु जीवन प्राप्त होता है। स्कंदमाता : पांचवां नवरात्रि मां स्कंदमाता को समर्पित है। देवी का यह स्वरूप अपने भक्तों की समस्त इच्छाओं की पूर्ति करता है। मां की चार भुजाएं हैं। इनका वाहन शेर है। देवी के इस स्वरूप की पूजा करने से भक्तों के कष्ट कम होते हैं तथा इस भवसागर से मुक्ति पाकर मोक्ष का मार्ग सरल होता है। कात्यायनी : भगवती दुर्गा के छठे स्वरूप को कात्यायनी देवी कहा जाता है । देवी का यह स्वरूप चतुर्भुजी है। देवी अपने भक्तों को भय से मुक्ति प्रदान करती हैं और भक्ति का वरदान देती हैं। देवी के स्वरूप की पूजा से विवाह में आने वाले विघ्न समाप्त होते हैं और विवाह के योग बनते हैं। कालरात्रि : देवी का सातवां स्वरूप कालरात्रि का प्रतीक है। देवी कालरात्रि भक्तों के शत्रुओं का नाश करती हैं। महागौरी : देवी का आठवां स्वरूप महागौरी का है। देवी शुचिता, करुणा, सौम्यता के लिए जानी जाती हैं। सिद्धिदात्री : नवां रूप, सिद्धि का अर्थ है अलौकिक शक्ति और दात्री का आशय है देने वाली।

आलेख

प्रोपेगंडा, दोहरापन और गैरजिम्मेदारी

शंकर शरण

हमारे नेता नियमित रूप से प्रोपेगंडा, उपदेश, दिखावे, आदि करते रहते हैं। जबकि वास्तव में ताउम्र गद्दीनशीनी और तरह-तरह से दोहन की फिक्र में रहते हैं। यह स्वतंत्र भारत में शुरू से ही स्थापित मॉडल बन चुका है। सामान्य राजकाज अफसरों पर छोड़ा रहता है, जो उसे अपनी स्थिति, प्रवृत्ति और अवसरवादिता से जैसे-तैसे चलाते हैं। विभिन्न दलों और नेताओं में यही आम नमूना है। जो भी अंतर, वह मात्र डिग्री व रूप का है। इसलिए क्योंकि भारत के नेता ही किसी देश का प्रतिनिधित्व करते हैं। और हमें गप्पी गाय' की उपाधि चीनी नेता माओ ने दी थी। पड़ोसी होने के नाते विविध प्रसंगों, अनुभवों पर ही उन्होंने अपनी राय बनाई होगी। माओ के अनोखे मुहावरों का प्रायः कोई स्पष्टीकरण नहीं मिलता। उन का आशय अनुमान से ही समझना होगा। वैसे, मुहावरे के दोनों शब्द सरल हैं। उन्हें मिलाकर अर्थ कुछ यही बनता है कि हम लोग बातें बनाने वाले, परन्तु दरअसल निरीह, नासमझ, और निकम्मे हैं। हमारे नेताओं की बातों और काम में कुछ भी प्रमाणिक (ऑथेन्टिक), गंभीर (सिन्सियर), या निस्स्वार्थ (डिसइन्टेरेस्टेड) नहीं रहा है, यह हमारे भी एक विद्वान ने 1952 में ही पाया था जिन की दृष्टि विशाल और पैनी थी। सो, यह दुःखद चरित्र स्वतंत्र भारत में आरंभ से बना, जो ब्रिटिश-राज के ठीक विपरीत था! ब्रिटिश शासक और अफसर यहाँ अपनी नीति, कानून और प्रशासन में कभी भी दिखावटी, भीरू या भ्रष्ट नहीं रहे थे। यह सभी भारतीय भी मानते थे। जबकि हमारे नेताओं की बातें प्रायः ऊपरी, कर्महीन, तथा उपदेशात्मक रही हैं। जिन का वास्तविक सामाजिक, राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय हालातों से कम ही लेना-देना रहा। फलस्वरूप किसी मामले पर सही उपाय ढूँढ कर लगने, जरूरी कदम लेकर खतरे उठाने से भी उन का संबंध नहीं रहता। अप्रत्याशित या प्रत्याशित विकट घटनाओं पर भी लीपापोती करने, या शुतुरमुर्ग-सा सिर छिपा समय गुजारने की प्रवृत्ति उन में रही है। अर्थात, अपवाद छोड़ हमारे नेताओं में नीति-निर्माण और शासन की समझ तक नहीं रही है। इसी को माओ और आइजनहावर जैसे विदेशी नेताओं ने हैरत से देखा था! पहले गाँधीजी हिटलर को उपदेश लिखते थे, तो बाद में नेहरू अमेरिका को उसी के देश में लेक्चर पिलाते थे। कोई अपने धज-प्रवचनों से दूसरा जीसस' होने, तो कोई बस कबूतर उड़ा कर विश्व-शांति का मसीहा' होने का गुमान रखते थे। जबकि अपने देश-समाज की भी असलियत देखने की सूझ उन्हें न थी! अतः उन के गप्पी गाय' होने की उपमा ठोस अनुभव, अवलोकन पर बनी थी। क्या आज भी वह गलत लगता है? हमारे नेता नियमित रूप से प्रोपेगंडा, उपदेश, दिखावे, आदि करते रहते हैं। जबकि वास्तव में ताउम्र गद्दीनशीनी और तरह-तरह से दोहन की फिक्र में रहते हैं। यह स्वतंत्र भारत में शुरू से ही स्थापित मॉडल बन चुका है। सामान्य राजकाज अफसरों पर छोड़ा रहता है, जो उसे अपनी स्थिति, प्रवृत्ति और अवसरवादिता से जैसे-तैसे चलाते हैं। विभिन्न दलों और नेताओं में यही आम नमूना है। जो भी अंतर, वह मात्र डिग्री व रूप का है। वही अनुकरण नीचे तक अनुयायी करते हैं। सोशल मीडिया में भी इस के अंतहीन उदाहरण रोज दिखते हैं ङ्क परनिन्दा, शेखी, और हर विषय पर इन्सटैंट ज्ञान। यह सब हम ने कहाँ से सीखा? अपने नेताओं से। वे ही संपूर्ण वाद-विवाद, तैश-तुर्शी को निर्देशित करते हैं। भारत में राष्ट्रीय विमर्श सदैव नेताओं द्वारा प्रवर्तित व नियंत्रित रहा है। समाजवाद, सेक्यूलरवाद से लेकर जातिगणना, और कण-कण में छीन-झपट के आरक्षण की सारी बातें व गतिविधियाँ सदैव ऊपर से चली हैं। विवेकशील, कर्मठ और न्यायपरक अधिकारियों का स्थान अंग्रेजी राज के साथ ही जाता रहा था। चाटुकार, अवसरवादी और भ्रष्टाचारी लगभग फौरन छा गये थे। अतः स्वतंत्र भारत का इतिहास माओ के अवलोकन की पुष्टि ही करता है। गाँधीजी के खलीफत भाषणों, एक वर्ष में स्वराज ले लेंगे' से लेकर, मैंने सेना को कह दिया है कि चीनियों को सीमा से बाहर फेंक दें', और आज के अच्छे दिन आ गये' जैसे दावों में समान तत्व क्या है?बड़बोलापन; गंभीर मामलों पर भी नासमझी का प्रदर्शन; समस्या को ठीक-ठीक जानने से भी बेपरवाह बस मन की तरंग से आसान हल देने की नीम-हकीमी।

वर्तमान भारतीय राजनीति की दिशा व दशा

रमेश धवाला

गरीबी, अशिक्षा, यातायात जाम और भुखमरी जैसी समस्याओं का एक मूल कारण बढ़ती जनसंख्या है। कोई भी राजनीतिक दल इसे अपने एजेंडे के रूप में नहीं रखना चाहता, क्योंकि कई समुदाय इस मुद्दे का विरोध करेंगे और यह एक राजनीतिक पार्टी के वोट बैंक को प्रभावित कर सकता है। लेकिन देश हित में आबादी पर नियंत्रण और समान नागरिक संहिता आज इस देश की जरूरत है। वर्तमान समय में सभी भारतवासियों के लिए समान नागरिक संहिता की आवश्यकता बन गई है। भारतीय नागरिक, चाहे वे किसी भी धर्म के हों, उनके संवैधानिक अधिकारों की रक्षा समान नागरिक संहिता से ही होगी असंख्य बलिदानों से जब देश स्वतंत्र हुआ तो हमारे तत्कालीन समाजसेवियों, बुद्धिजीवियों और राजनीति की समझ रखने वालों तथा शासन तंत्र की सुव्यवस्था के लिए कृतसंकल्प स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय भूमिका निभाने वाले पुरोधाओं ने बहुत विचार-विमर्श के बाद हमें एक ऐसा संविधान दिया, जो बहुजनहिताय बहुजन सुखाय था। इसे भारत की जनता ने स्वीकार किया और तब से अब तक वही संविधान कदम-कदम पर पारदर्शी शासन चलाने के लिए हमारा मार्गदर्शन कर रहा है। अब प्रश्न उत्पन्न होता है कि क्या हम आज भी इस संविधान की भावना के अनुकूल देश की दशा और दिशा तय कर रहे हैं या नहीं? ऊपरी तौर पर हम यह सोचने के लिए विवश हैं कि सीमाओं को लांघ कर भारतीय राजनीति में जो उद्दंडता, बाहुबल, धनबल आए हैं, इससे साफ सुथरी राजनीति जनता से हर रोज कोसों दूर जा रही है। कुछ विचारकों का तो यह मानना है कि अब भारतीय राजनीति का कुछ धन बल वालों और कुख्यात अपराधियों ने अपहरण कर लिया है! राष्ट्रीय अपराध ब्यूरो की रिपोर्ट बताती है कि प्रायः सभी बड़े दलों में जघन्य अपराधियों की भरमार है। भारतीय राजनीति में ईमानदार और देश के प्रति सच्ची निष्ठा रखने वाले लोगों के लिए जगह सिकुड़ती जा रही है। परिणाम यह है की आजादी का लाभ जो सबको मिलना चाहिए था, वह कुछ चाटुकार लोगों तक सीमित हो गया है। ये राजनीति के माहिर लोग अपने आसपास ऐसा चक्रव्यूह तैयार कर लेते हैं कि शासन का प्रत्येक अंग उनका गुलाम बन कर रह जाता है। वस्तुस्थिति तो यही है। प्रभावी सूचना तंत्र अब इतना सशक्त हो गया है कि ये लोग बड़े ही सहज ढंग से मीडिया के दुरुपयोग से रात को भी दिन कहकर भारतीय जनता को भ्रमित कर सकते हैं। सत्ता में बने रहने के लिए राजनीतिक दल ऐसे लुभावने नारे दे रहे हैं और रेवड़ियां बांट रहे हैं कि जनता के बीच काफी लोग मुफ्तखोर हो गए हैं। इसका दुष्परिणाम यह है कि समाज में एक बहुत बड़े तबके में मेहनत करने में रुचि कम हो रही है और वे सरकार की मुफ्त की योजनाओं के लाभ की प्रतीक्षा करते रहते हैं। इस प्रवृत्ति ने राज्यों को आर्थिक दृष्टि से पंगु बना दिया है। सामाजिक सरोकारों की पूर्ति के लिए प्रयत्न हर राज्य को करना चाहिए, किन्तु जनता को निठल्ले बनाने वाले यह लोकलुभावन कार्यक्रम न तो सरकार को अपनाने चाहिए और न ही जनता को इसको प्रोत्साहित करना चाहिए कि लोग बिना काम के ही जिंदगी बसर करने की आदत बना लें। देश का कोई राज्य ऐसा नहीं है जो करोड़ों के कर्ज में न डूबा हो। बिजनेस स्टैण्डर्ड की एक रिपोर्ट के अनुसार राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने 2023-24 के अंत में अपने ऋण को उनके संबंधित सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) के 35 प्रतिशत को पार करने का अनुमान लगाया है। बारह राज्य- अरुणाचल प्रदेश, बिहार, गोवा, हिमाचल प्रदेश, केरल, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, पंजाब, राजस्थान और पश्चिम बंगाल वित्तीय संकट से जूझ रहे हैं। आर्थिक तंगी से उबरने के लिए राज्यों को व्यावहारिक निर्णय लेने की आवश्यकता है। इसके अलावा हमारे देश की एक ज्वलंत समस्या है देश की बढ़ती हुई आबादी। हमारे देश में हर वर्ष एक ऑस्ट्रेलिया पैदा हो जाता है। अगर जनसंख्या इसी रफ्तार से बढ़ती रही तो अगले कुछ वर्षों में अनाज तो छोड़ें, पीने को पानी तक नहीं मिलेगा। हर क्षेत्र में खाद्यान्न उत्पादन अब चरम सीमा तक पहुंच गया है। जनसंख्या विस्फोट के कारण भारत को संसाधनों की भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों की जरूरतों को पूरा करने के लिए संसाधनों का तेजी से उपयोग किया जा रहा है और इसकी उपलब्धता में कमी के कारण इनका शोषण हो रहा है। भूमि उपलब्धता और जल संसाधनों के संबंध में भी कई समस्याएं देखने को मिल रही हैं। भारत में जनसंख्या सबसे बड़ा और सबसे ज्यादा नजरअंदाज किया जाने वाला मुद्दा है। आज हम संसाधनों की कमी देख रहे हैं और अधिक लोगों को उन संसाधनों की आवश्यकता के कारण हर जगह संघर्ष कर रहे हैं। गरीबी, अशिक्षा, यातायात जाम और भुखमरी जैसी समस्याओं का एक मूल कारण बढ़ती जनसंख्या है। कोई भी राजनीतिक दल इसे अपने एजेंडे के रूप में नहीं रखना चाहता क्योंकि कई समुदाय इस मुद्दे का विरोध करेंगे और यह एक राजनीतिक पार्टी के वोट बैंक को प्रभावित कर सकता है। लेकिन देश हित में आबादी पर नियंत्रण और समान नागरिक संहिता आज इस देश की जरूरत है। वर्तमान समय में सभी भारतवासियों के लिए समान नागरिक संहिता की आवश्यकता बन गई है। भारतीय नागरिक, चाहे वे किसी भी धर्म के हों, उनके मौलिक और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा समान नागरिक संहिता से ही सुनिश्चित की जा सकती है। समान नागरिक संहिता लागू करके धर्मनिरपेक्षता और राष्ट्रीय अखंडता को भी मजबूत किया जा सकता है। इसलिए सभी राजनीतिक दलों को दलगत राजनीति से ऊपर उठ कर सकारात्मक सुझावों एवं कार्यों से एकजुट होने की जरूरत है। अगर समय रहते बढ़ती जनसंख्या को रोका नहीं गया तो हमारे संसाधनों पर इसका दुष्प्रभाव पडना लाजिमी हो जाएगा।

सेहत पर भारी मिलावटी खाद्य सामग्री

अनुज आचार्य

खाने-पीने के शौकीन अथवा महानगरों में नौकरी आदि के चलते कम मूल्य लागत वाला भोजन तलाशने वाले भारतीयों के लिए यह अनिवार्य हो जाता है कि स्वाद एवं सस्ते के चक्कर में न पडकर स्वच्छता मानकों एवं साफ-सफाई को अपनी सेहत के दृष्टिगत स्वच्छ एवं पौष्टिक भोजन को अपनी प्राथमिकता में रखें। अतिरिक्त सतर्कता का पालन करने से ही हम अपने स्वास्थ्य को सुरक्षित बना सकते हैं भारत में बढ़ती आबादी के कारण और मांग एवं आपूर्ति में अंतर के चलते प्रायः खाद्य वस्तुओं की किल्लत और दामों में बढ़ोत्तरी होती ही रहती है और इसी किल्लत का फायदा जमाखोरों की टोलियां उठाने से नहीं चूकती हैं, तो वहीं घटिया एवं मिलावटी चीजें बेचने वालों की पौबारह हो जाती है। भारत में इन दोनों तिरुमला तिरुपति देवस्थानम द्वारा श्रद्धालुओं को दिए जाने वाले लड्डुओं को मिलावटी देसी घी से बनाने से भक्तों की धार्मिक आस्था आहत होने का मुद्दा भी चर्चा में है। देवस्थानम को देसी घी की आपूर्तिकर्ता कंपनी एआर डेयरी फूड प्राइवेट लिमिटेड से खाद्य नियामक ने पूछा है कि खाद्य सुरक्षा एवं मानक विनियमन 2011 के प्रावधानों के उल्लंघन के लिए उसका केंद्रीय लाइसेंस निलंबित क्यों न कर दिया जाए? आज भारत में मिलावट का कारोबार उस स्तर को पार कर चुका है जहां खाद्य उत्पादों में सस्ते और घटिया पदार्थ मिलाकर बेईमान व्यापारी व विक्रेता सामान की मात्रा को बढ़ा देते हैं और भारतीयों की जान की कीमत पर भारी मुनाफा कमाते हैं। ऐसा अनुमान है कि 60 करोड़ लोग अर्थात विश्व में लगभग 10 में से 1 व्यक्ति हर वर्ष दूषित भोजन खाने के कारण बीमार पड़ते हैं तथा 420000 लोग मर भी जाते हैं। भारत में दूध और डेयरी उत्पाद, वसा और तेल, फल और सब्जियां, अनाज, कॉफी, चाय, शहद और मसाले आदि सहित लगभग हर खाद्य सामग्री में मिलावट का प्रतिशत अत्यधिक बढ़ गया है और स्वच्छता मानकों की बुरी तरह से अनदेखी हो रही है। इतना ही नहीं, भारत के कई क्षेत्रों से ऐसे भी वीडियो की सोशल मीडिया में भरमार हो रखी है जिसमें समोसे, चाट, ब्रेड, कुल्फी, प्लास्टिक के चावल और गुलाब जामुन से भरी कड़ाही में पेशाब करते युवक और गोल गप्पे वाले जलजीरा पानी से ही हाथ मुंह धोने, गंदे हाथ पैरों से आलू और आटा गूंथने जैसे कृत्यों द्वारा गंदगी से परिपूर्ण खाद्य सामग्री आम लोगों को परोसी जा रही है। ऐसे कृत्य न केवल निंदनीय हैं अपितु दोषी

लोगों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की मांग भी करते हैं। सवाल उठता है कि आखिर ऐसी गतिविधियों में संलिप्त लोगों को तत्काल जेल की सलाखों के पीछे क्यों नहीं डाला जाता है? विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार हानिकारक बैक्टीरिया, वायरस, परजीवी या रासायनिक पदार्थों से युक्त असुरक्षित भोजन 200 से अधिक बीमारियों का कारण बनता है जिसमें डायरिया से लेकर कैंसर तक शामिल हैं। निम्न और मध्यम आय वाले देशों में असुरक्षित भोजन के कारण चिकित्सा व्यय में हर साल 110 बिलियन अमेरिकी डॉलर का नुकसान होता है। संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन के महानिदेशक डा. कू डोंग्यू के अनुसार, 'हमें अपने भोजन की पहचान, गुणवत्ता और सुरक्षा पर एक आम समझ की जरूरत है। लेकिन भारत में दूध में पानी मिलाने, नकली दूध, घी में केमिकल, दाल में सिंथेटिक रंग और वैक्स कोटिंग, सब्जियों में हॉर्मोन के इंजेक्शन तथा सिंथेटिक रंग, हर्बल उत्पादों में एलोपैथिक दवाइयां तथा केमिकल्स, सौंदर्य प्रसाधनों में और देसी घी बनाने में पशुओं की चर्बी होने की जानकारी किसी से छुपी हुई नहीं है। खाद्य अपमिश्रण से आखों की रोशनी जाना, हृदय संबंधित रोग, लीवर खराब होना, कुष्ठ रोग, आहार तंत्र के रोग, पक्षाघात व कैंसर जैसे असाध्य रोग हो सकते हैं। हिमाचल प्रदेश में मिलावटी खाद्य पदार्थों की समस्या से निपटने के लिए राज्य सरकार कुछ उपायों पर काम करती दिख रही है। राज्य में फूड फोरेंसिक यूनिट स्थापित करने की मंजूरी मिल चुकी है। यह यूनिट गुजरात के बाद देश की दूसरी फूड फोरेंसिक यूनिट होगी। यह यूनिट खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और संदिग्ध खाद्य मामलों की जांच करेगी। इस यूनिट से खाद्य पदार्थों में कीटनाशकों, रासायनिक शर्करा और स्टीरॉइड की मात्रा का पता लगाया जा सकेगा। राज्य सरकार को मिलावटी और बासी खाद्य पदार्थों से निपटने के लिए केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय से 37 लाख रुपे की मोबाइल फूड सेफ्टी वैन भी मिली है। खाद्य अपमिश्रण के परीक्षण के लिए मैसूर, पुणे, गाजियाबाद एवं कोलकाता में भारत सरकार द्वारा चार केन्द्रीय प्रयोगशालाएं व्यवस्थित रूप से स्थापित की गई हैं। खाद्य अपमिश्रण एवं रेहड़ी फड्डी वालों द्वारा लोगों को गंदा और घटिया खाने-पीने की वस्तुएं बेचने से आगाह करने के उद्देश्य से केंद्र सरकार द्वारा 'ईट राइट इंडिया मूवमेंट' की पहल की गई है, जिसका उद्देश्य भारत में स्वस्थ खाने की आदतों और खाद्य सुरक्षा को बढ़ावा देना है। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने 'ईट राइट इंडिया' अभियान के माध्यम से सभी भारतीयों के लिए सुरक्षित, स्वस्थ और पोषक भोजन सुनिश्चित करने के लिए देश की खाद्य प्रणाली को बदलने के लिए बड़े पैमाने पर प्रयास शुरू किया है।

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/धर्म समाज/देश
रायपुर, सोमवार 07 अक्टूबर 2024
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

प्रतिभास्थली की सुगंध फैल रही है भारत के कोने-कोने में

डोंगरगढ़ (विश्व परिवार)। आचार्य गुरुवर 108 श्री विद्यासागर जी महाराज के आशीर्वाद से संचालित प्रतिभास्थली ज्ञानोदय विद्यापीठ कन्या आवासीय एवं दिवसीय विद्यालय में शिक्षा के क्षेत्र में अव्वल आते हुए छात्राएं अब खेल के क्षेत्र में भी कर रही हैं अपना नाम रोशन जी हां प्रतिभास्थली कक्षा 10 की छात्रा कुमारी देशना जैन शतरंज प्रतियोगिता में अव्वल आते हुए नेशनल के लिए चयनित हुई। और वहीं दूसरी ओर श्रम को महत्व देते हुए हथकरघा का प्रशिक्षण लेने वाली कुमारी परी ने अपने परिश्रम और लगन से अपने हाथ से एक साड़ी का निर्माण किया। शिक्षा के क्षेत्र में भी अपना नाम रोशन करने वाली कई छात्राओं को यंग जैना अवार्ड से सम्मानित किया गया इन सभी छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं और सभी को बहुत-बहुत शुभकामनाएं देते हैं।

शिक्षकों के लिए आज सेमीनार, मुकेश शाह रहेंगे मुख्य वक्ता

रायपुर (विश्व परिवार)। डॉ. राधाकृष्णन विद्यालय, भारत माता चौक, गुढ़ियारी में शिक्षकों के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम ट्रेन द टीचर्स का आयोजन 8 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे से किया गया है। सेमीनार में वहां के नोडल स्कूलों से करीब एक सौ शिक्षक - शिक्षिकाओं की उपस्थिति होगी। इसमें मुख्य वक्ता के रूप में शिक्षाविद् मुकेश शाह विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में शिक्षकों की भूमिका, बच्चों, अभिभावकों व सहयोगी शिक्षकों के साथ व्यवहार, क्लास रूम मैनेजमेंट, स्वआकलन शैक्षिक वातावरण आदि पर विस्तार से अपनी बातें रखेंगे।

जनजातियों का ज्ञान और परंपराएं दूसरे समाजों के लिए भी अनुकरणीय: नीलकंठ टेकाम

रायपुर (विश्व परिवार)। जनजातियों के गौरवशाली इतिहास, सामाजिक और आध्यात्मिक योगदान को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने और जनजातीय महानायकों के बलिदान को आमजनों को बताने के लिए एक दिवसीय कार्यशाला पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के सभाग्रह में संपन्न हुई। इस कार्यशाला में पूर्व आईएएस अधिकारी और वर्तमान केशकाल विधायक श्री नीलकंठ टेकाम ने जनजातियों के ज्ञान और परंपराओं को दूसरे समाजों के लिए भी अनुकरणीय बताया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जनतीय समाज में सहभागिता, प्रकृति प्रेम के साथ आत्म स्वाभिमान से जीने की कला को दूसरे समाज के लोंगो को भी सीखना चाहिए। श्री टेकाम ने इस दौरान जनजातीय समाज को भारत के संविधान को मिली सहूलियतों और संरक्षण के साथ विकास के लिए किए गए प्रावधानों को भी लोंगो को बताया। इस दौरान वीरांगना रानी दुर्गावती की 500वीं जयंती भी मनाई गई और रानी दुर्गावती के अपने गोंडवाना प्रदेश की स्वतंत्रता की रक्षा के लिए बलिदान हो जाने के वृत्तांत पर भी प्रकाश डाला गया है। कार्यशाला में पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के दो सौ से अधिक छात्र-छात्राओं एवं नागरिक शामिल हुए। कार्यशाला में जनजातीय समाज के महानायकों के बलिदान को भी इंगित किया गया। वक्ता श्री वैभव सुरंगे ने भारत में जनजातीय समाज और स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान पर विस्तृत जानकारी दी। भारत के प्रथम शहीद तिलका मांझी, वीर नारायण सिंह, गेंदसिंह, गुण्डाधुर आदि से लेकर विभिन्न क्षेत्रों के जनजातीय समाजों द्वारा ब्रिटिश शासन के विरूद्ध हुए संघर्ष को विस्तार से बताया है।

1 जनवरी से 9 जनवरी 2025 तक नांदणी में दिगम्बर जैनाचार्य श्री विशुद्धसागर जी गुरुदेव के सानिध्य में होगा ऐतिहासिक पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव एवं महामस्तकाभिषेक

9 अकटूबर को नांदणी मठ में होने वाली बैठक में होगी समिति नियुक्त

नांदणी (विश्व परिवार)। स्वस्तिश्री जिनसेन भट्टारक पट्टाचार्य महास्वामी संस्थान मठ नांदणी, कोल्हापूर, तेरदाळ, बेळगांव द्वारा 1 जनवरी 2025 से 9 जनवरी 2025 में नांदणी में दिगम्बर जैनाचार्य 108 श्री विशुद्ध सागर जी गुरुदेव के सानिध्य में संपन्न होनेवाले ऐतिहासिक पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव एवं महामस्तकाभिषेक सोहळा की महोत्सव समिती नियुक्त होगी 9 अकटूबर की नांदणी मठ में होनेवाले मिटिंग में। महाराष्ट्र और कर्नाटक के श्रावक इसमे सम्मीलीत हो ऐसा आव्हाहन प. पू जिनसेन भट्टारक महास्वामीजी नांदणी द्वारा किया हैं।

नांदणी मठ में, दिगम्बर जैनाचार्य 108 श्री विशुद्ध सागर जी गुरुदेव ने धर्मसभा को संबोधन करते हुए कहा कि -अंतिम तिर्थेश

वर्धमान स्वामी के शासन में हम सभी विराजते हैं। तीर्थंकर भगवान की पीयूष देशना जिनेंद्रवाणी जगतकल्याणी है। यह सर्वज्ञशासन, नमोस्तुशासन जयवन्त हो। जयवन्त हो वितरागी श्रमणसंस्कृती।

चर्या शिरोमणी आचार्य श्री विशुद्ध सागर महाराज जी ने धर्मसभा में संबोधित करते हुए अपने प्रवचन में सांसारिक गतिविधियों और प्रत्येक प्राणी आत्मा के स्वरूप परिवर्तन पर सत्य का बोध कराते हुए बताया कि - इस सृष्टि में कोई भी वस्तु पदार्थ ऐसा नहीं है, जो नष्ट नहीं होता। जो उत्पन्न हुआ उसे नष्ट होने से रोकने का सामर्थ्य किसी में नहीं है। और दूसरी तरफ नाश ही उत्पत्ति का कारण है। जैसे कोई भी जीव प्राणी जिस अवस्था स्वरूप में था। उससे नष्ट होकर ही वर्तमान अवस्था में है।

जैसे कोई जीव प्राणी मर कर ही किसी माँ के गर्भ में पुत्र बनता है। सरल भाषा में कहें तो- धरती के गर्भ से सोना खनिज धरती पृथ्वी को छोडक़र गहना या कलश का स्वरूप प्राप्त करता है। प्रत्येक बेटी माता पिता को छोडक़र ससुराल जा कर बहू बनती है। जिसने जन्म लिया है उसका मरण तय है। और मरण के पश्चात उत्पत्ति होना भी तय है। -**अभिषेक अशोक पाटील**

सैन्य समारोह के समापन कार्यक्रम में शामिल हुए राज्यपाल रमेन डेका

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर में आयोजित भव्य सशस्त्र सैन्य समारोह युवाओं के लिए प्रेरणा का एक अद्वितीय स्रोत है। यह दिखाता है कि भारतीय सेना में शामिल होने का अर्थ केवल एक नौकरी पाना ही नहीं है बल्कि अपने राष्ट्र की रक्षा के लिए समर्पण की भावना से ओत-प्रोत होना है। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने आज रायपुर में सशस्त्र सैन्य समारोह के समापन अवसर पर उक्त बातें कहीं। रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में विगत 05 अक्टूबर से आयोजित सशस्त्र सैन्य प्रदर्शनी का आज भव्य समारोह में समापन हुआ। इस कार्यक्रम में राज्यपाल श्री रमेन डेका बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। उन्होंने युवाओं से आव्हान किया कि भारतीय सेना राष्ट्र सेवा का प्रतीक है, इसमें शामिल होकर राष्ट्र के प्रति अपना कर्तव्य निभाएं। सैन्य प्रदर्शनी के माध्यम से छत्तीसगढ़ के युवाओं में साहस और समर्पण की भावना उत्पन्न होगी।

आग से अधिक घातक चिंगारी है, न चिंगारी होगी न आग लगेगी : मुनि पुंगव श्री सुधासागर महाराज

पत्रकारिता समाज का दर्पण, इस आदर्श में गिरावट मगर विलुप्त नहीं : मुनिश्री

सागर (विश्व परिवार)। वेदचन्द जैन। आग से अधिक घातक चिंगारी है, आग सबको दिखती है चिंगारी दिखाई नहीं देती। चिंगारी बुझा दो आग लगेगी ही नहीं। मुनि पुंगव निर्यापक श्रमण श्री सुधा सागर महाराज ने चेतावनी देते हुए कहा कि आचार्य श्री विद्यासागर महाराज के संघ को विवादित करने का कोई प्रयास सफल नहीं होगा। आचार्य श्री विद्यासागर महाराज का संघ एक था, एक है और एक रहेगा।

मध्यप्रदेश के सागर नगर में जिज्ञासा समाधान सभा में एक प्रश्नकर्ता की जिज्ञासा का समाधान करते हुए मुनि पुंगव निर्यापक श्रमण श्री सुधा सागर महाराज ने कहा कि हमारे संघ में भेद कराने के लिये कुछ षड्यंत्रकारी सोशल मीडिया वाट्सएप का दुरुपयोग कर समाज को विषाक्त करने का दुष्कर्म करते हैं।पूरे संदर्भ से एक अंश निकालकर वाट्सएप बनाते हैं और संघ के अन्य मुनियों को वहीं अंश दिखा सुनाकर भेद डालने का यत्न करते हैं। महाराज जी ने स्पष्ट कहा कि ऐसी विभाजन कारी मानसिकता कभी सफल नहीं हो सकती।

आचार्य श्री विद्यासागर महाराज ने मुनियों की जन्म जयंती मनाने के किसी भी उत्सव के प्रति अपनी असहमति जताई

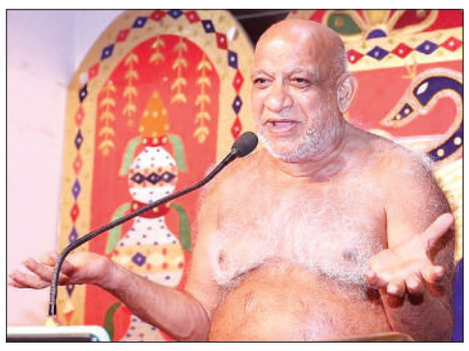

थी। उन्होंने 1996 में ही बता दिया था कि मुनियों का जन्म जयंती मनाना मिथ्यात्व है। हम शिष्यों को श्रावकों द्वारा आयोजित ऐसे किसी भी कार्यक्रम या उत्सव से स्वयं को पृथक रखना चाहिए। मैंने कक्ष में इस संबंध में प्रश्नकर्ता को ये समझा दिया था तब ये प्रश्न सार्वजनिक मंच से क्यों किया गया। इस प्रश्न पर मेरा उत्तर जानते हुये भी ये प्रश्न सार्वजनिक सभा में पूंछकर मेरी छवि को जन्म जयंती उत्सव विरोधी सिद्ध करने का षड्यंत्र करना प्रश्नकर्ता की मंशा है।

ऐसे विघ्नकर्ता ही आग के श्रोतरूपी चिंगारी हैं। विवाद की आग को रोकने या बुझाने से बेहतर है चिंगारी को ही ठंडा कर दिया जाए। न चिंगारी होगी न आग लगेगी। मुनि पुंगव सुधा सागर महाराज ने कहा कि हम मुनियों की छवि धूमिल करने से हमारी छवि धूमिल नहीं होगी वरन् चिंगारी स्वयं अपनी ही लगाई आग से झुलस जायेगें। सागर समाज के ये मुट्ठी भर तत्व पूरे समाज को दूषित नहीं कर सकते। सागर समाज एक थी, एक है और एक रहेगी, क्योंकि ये चेहरे पहचान लिये गये हैं।

एक अन्य जिज्ञासा का समाधान करते हुए मुनि पुंगव श्री सुधा सागर महाराज ने कहा कि पत्रकार समाज का दर्पण होता है। पक्षपात करने वाला कभी समाज का दर्पण नहीं हो सकता। वर्तमान में पत्रकारिता को दूषित किया जा रहा है किंतु संख्या में कम ही सही पत्रकारिता के आदर्शों का पालन कर समाज के दर्पण को स्वच्छ रखने वाले पत्रकार अभी शेष हैं। समाज को स्वस्थ रखने वाले पत्रकार विलुप्त नहीं हुये हैं। -**वेदचन्द जैन**

संत-समागम विश्वमैत्री महोत्सव का बिरला मातोश्री सभागार मुम्बई में भव्य एवं ऐतिहासिक आयोजन सम्पन्न

भगवान महावीर की अहिंसा में अहंकार का अभाव है और इससे ही विश्व मे शांति संभव है : राज्यपाल आरिफ़ मोहम्मद खान

यदि नहीं चाहते युद्ध तो अपनाओ महावीर और बौद्ध : केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले

देवेंद्र ब्रम्हचारी जी के मार्गदर्शन में संत-समागम और विश्वमैत्री महोत्सव का भव्य आयोजन संपन्न

मुंबई (विश्व परिवार)। श्रद्धेय श्री देवेंद्र ब्रम्हचारी जी के मार्गदर्शन में बिरला मातोश्री सभागार, मुंबई में संत-समागम और विश्वमैत्री महोत्सव का भव्य और ऐतिहासिक आयोजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर सकल जैन समाज के साधु-संतों का चातुर्मास हुआ, जिसमें दिगंबर, श्वेतांबर, तेरापंथी और स्थानकवासी संघ के प्रतिष्ठित साधुगणों ने भाग लिया।

उल्लेखनीय साधुओं में मुनिश्री 108 प्रणुतसागर जी महाराज (संघ), अचलगच्छाधिपति पूज्य आचार्य कलाप्रभसागरसूरीश्वरजी म. सा., आचार्य श्री मतिचन्द्रसागरसूरी जी म. सा., और मुनि कुलदीप कुमार जी म. सा. शामिल थे। इनके पावन सान्निध्य और आशीर्वाद से हजारों भक्तजन लाभान्वित हुए, जिन्हें इनकी अमृतमयी वाणी से दिशा मिली। महावीरायतन फाउंडेशन द्वारा आयोजित इस महोत्सव में भगवान महावीर के सिद्धांतों पर चलने वाले सभी जैन संघों के साधु-संतों का समागम हुआ, जहां विश्व शांति और आपसी सद्भाव के लिए एकजुट होकर आगे बढ़ने का संकल्प लिया गया। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में केरल के महामहिम राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने अपने उद्बोधन में कहा कि विभिन्न संस्कृतियों को साथ लेकर चलने से ही विश्व में शांति संभव है। उन्होंने श्रद्धेय देवेंद्र ब्रम्हचारी जी के विचारों और कार्यों की प्रशंसा करते हुए इसे समय की आवश्यकता बताया। केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने अपने अनूठे शैली में कहा, यदि नहीं चाहते युद्ध तो अपनाओ महावीर और बुद्ध, और अपने प्रभावी भाषण से सभी को प्रेरित किया।

महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष श्री राहुल नार्वेकर ने कहा कि विकास का सही मार्ग तभी संभव है जब हम अपनी संस्कृति को साथ लेकर आगे बढ़ें। महाराष्ट्र के मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा, राजस्थान के मंत्री झाबरसिंह खर्रा, और राज्यसभा सांसद मिलिंद देवड़ा ने भी भगवान महावीर के सिद्धांतों के पालन से विश्व शांति की संभावना पर जोर दिया।

कार्यक्रम के सूत्रधार, श्रद्धेय देवेंद्र ब्रम्हचारी जी ने भगवान महावीर स्वामी के मार्ग पर चलते हुए देश और विश्व के हर वर्ग को एकसाथ जोड़ने की अपील की।

इस अवसर पर समाज और देश के लिए उल्लेखनीय योगदान देने वाले गणपत कोठारी, राकेश कोठारी, उत्तम बाफना, मनीष गोधा (इंदौर), डॉ. राहुल सुबोध साहो, उत्तम शाह, और प्रशांत झावेरी को समाज गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में प्रसिद्ध सीए के.सी. जैन, लोढ़ा फाउंडेशन की अध्यक्षा मंजू लोढ़ा समेत मुंबई और देशभर के विशिष्ट गणमान्य व्यक्तियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

कार्यक्रम को सफल बनाने में राकेश नाहर जी, प्रकाश चोपड़ा जी, शैलेश दमोदरिया (किशन) एंड टीम, उरबा जोशी जी, यादब पुन जी का विशेष योगदान रहा, और लवकेश जैन जी ने प्रभावशाली रूप से संचालन किया। यह महोत्सव न केवल जैन समाज के लिए एक ऐतिहासिक अवसर साबित हुआ बल्कि विश्व को शांति, सहिष्णुता, और आपसी सद्भाव का महत्वपूर्ण संदेश भी दिया।

जय बुढ़ी माँ गाड़ा महा सभा के शंकर तांडी बने प्रदेश अध्यक्ष, संगठन में पदाधिकारियों का हुआ विस्तार

रायपुर (विश्व परिवार)। राजधानी रायपुर के वृंदावन हाल में जय बुढ़ी माँ गाड़ा महासभा के नव नियुक्ति कार्यकारणी की महत्वपूर्ण बैठक में सामाजिक कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में नवीन प्रदेश अध्यक्ष के रूप में शंकर तांडी जी की नियुक्ति हुई. उन्हें पूर्व अध्यक्ष अभिमन्यु नायक ने मनोनीत कर पुष्प गुच्छ भेंट कर किया! इस दरमियान जय बूढ़ी माँ समाज द्वारा किए गए समाज हित के कार्यो की जानकारी सामाजिक बंधुओं को दी. प्रदेश उपाध्यक्ष त्रिनाथ जगत जी ने समाज के कुल देवी के बारे जानकारी दी और, प्रदेश युवा अध्यक्ष वैष्णव भत्रिया गुडडू जी ने युवाओं को आगे आकर समाज कार्य करने प्रेरित किया! जिला राधे नायक जी ने जय बुढ़ी मां सामाज में जुड कर कार्य करने को कहा, और इस बैठक में नवीन नियुक्त सलाहाकार धनसिंग जगत जी, शत्रुघ्न महानंद जी, प्रदेश महासचिव संजय सोनी जी, प्रदेश उपाध्यक्ष प्रीतम सुना जी, प्रदेश सचिव देवराज महानंद जी को नियुक्त किया गया साथ युवा जिला अध्यक्ष जीतू सागर जी और महिला जिला अध्यक्ष रौशनी बाघ जी को नवीन नियुक्त किया गया। इस दौरान जय बुढ़ी मां समाज के नव नियुक्त 50 सदस्य बनें, सभी नव पदाधिकारियों और नविन सदस्यो ने एक स्वर में जय बूढ़ी माँ के जयकारा लगा कर निस्वार्थ कर्मठ होकर समाज के विचारों को जन-जन तक पहुचाने का और एक समाज एक नियम का संकल्प लिया. इस बैठक में माधव छुरा, सागर तांडी, रशीद भाई, पीलू कुलदीप, दीपक दीप, सूर्यकांत तांडी, रवि कुमार राहुल बाघ, गोपी बाघ, हरि बाघ, रवि निहाल, मनीष निहाल, कल्लू सागर, प्रीतम बघेल, सोनू सदाराम बेहरा, विष्णु सोनी, मंगल दीप, सत्या छुरा, नरेश सोनी, पंकज जगत, प्रदीप नायक, आलोक बाघ, विजय हरपाल, प्रमोद कुमार एवं समस्त नव कार्यकारणी गण उपास्थित थे।

समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए डॉ. पुरुषोत्तम चंद्राकर को जेसीआई का सर्वोच्च सम्मान कमल पत्र

जेसीआई ने डॉक्टर पुरुषोत्तम चंद्राकर को सर्वोच्च सम्मान कमल पत्र से सम्मानित किया

रायपुर (विश्व परिवार)। जेसीआई रायपुर संगवारी द्वारा वृंदावन हॉल सिविल लाइन रायपुर में भव्य एवं प्रतिष्ठित कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें जेसीआई रायपुर संगवारी का पीआर प्रोग्राम धरोहर में जेसी डॉ. पुरुषोत्तम चंद्राकर को जेसीआई का सर्वोच्च सम्मान कमल पत्र से सम्मानित किया गया।

भारतीय जूनियर चैंबर के अध्यक्ष जैसी कमल सहारन की स्मृति में प्रतिवर्ष एक जेसी को उनकी अनवरत सेवा और उपलब्धि के लिए दिया जाने वाला सर्वोच्च जेसी सम्मान वर्ष 2024 में इस सर्वोच्च सम्मान के लिए डॉक्टर पुरुषोत्तम चंद्राकर को प्रदान किया गया जिनकी जेसी यात्रा गौरवपूर्ण है। आपने छत्तीसगढ़ की कला संस्कृति को प्रदेश के साथ देश विदेश में बहुत ही गरिमा पूर्ण प्रदर्शित किए हैं इसके साथ मानवता की सेवा, वृद्ध जन माता पिता की सेवा, बच्चों एवं महिलाओं केसर्वांगीण विकास के लिए कार्य, कोरोना काल में जन सेवा ही प्रभु सेवा है की युक्ति को चरितार्थ करते हुए मानवता और मुक प्राणियों की सेवा देखभाल, बंधुता समानता तथा न्याय प्रिय दायित्वों के निर्वहन में महत्वपूर्ण योगदान दिया है एवं सामाजिक कुरीतियों, अंधविश्वास, जाति भेद, नशा मुक्ति, अज्ञानता, असमानता, विषमता एवं शोषण के खिलाफ जन जागृति, पर्यावरण संरक्षण जल संरक्षण, वायु प्रदूषण, सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग से बचाव के लिए उल्लेखनीय कार्य कर रहे है। रायपुर जिला के ग्राम बोड़रा के प्रतिष्ठित चंद्राकर परिवार में जन्मे शत्रुघ्न चंद्राकर एवं श्रीमती कमला देवी चंद्राकर के सुपुत्र डॉक्टर पुरुषोत्तम चंद्राकर आप छत्तीसगढ़ की कला एवं संस्कृति को नित नई ऊंचाइयों पर ले जाने हेतु निरंतर कार्यरत है। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रसिद्ध समाजसेवी एवं सफल उद्यमी माननीय राजेश अग्रवाल जी ने कहा की डॉ. पुरुषोत्तम चंद्राकर को वर्ष 2024 का अति विशिष्ट सम्मान कमल पत्र अवार्ड से सम्मानित करते हुए जेसीआई रायपुर संगवारी परिवार अपने आपको गौरवान्वित महसूस कर रहा है।

कार्यक्रम अमिताभ दुबे फाउंडर अखिलेश शर्मा, अध्यक्ष कुसुम साहू श्रद्धा नायक, हितेंद्र साहू, वेंकट राव, विपीन अग्रवाल, चंद्रकांत देवांगन, भास्कर जी हितेश साहू अमित बलवानी, सुनील अहलानी, कुलेश्वर जी, मनोज जी आदि विशेष रूप से पूरे कार्यक्रम में सहयोग किया।

कैरियर डेवलपमेंट कॉन्क्लेव 2.0-नेविगेटिंग न्यू विस्टास का HNLU में उद्घाटन

रायपुर (विश्व परिवार)। कैरियर डेवलपमेंट कॉन्क्लेव के पहले संस्करण की भारी सफलता के बाद, HNLU में अपने दूसरे संस्करण 'कैरियर डेवलपमेंट कॉन्क्लेव 2.0-नेविगेटिंग न्यू विस्टास' का उद्घाटन 5 अक्टूबर 2024 को हिदायतुल्लाह नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी में हुआ। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में श्री वी. श्रीधरन, लक्ष्मीकुमारन एंड श्रीधरन के सह-संस्थापक एवं बॉम्बे उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता उपस्थित रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री कुंदन कुमार (आईएएस), निदेशक, शहरी प्रशासन विभाग, छत्तीसगढ़ सरकार, किसी कारणवश उपस्थित न हो सके।

प्रोफेसर डॉ. वी.सी. विवेकानंदन, कुलपति, HNLU ने अपने उद्घाटन संबोधन में पारंपरिक पारिवारिक कानूनी प्रथाओं से लेकर वैश्विक फर्मों तक कानूनी करियर के रूपांतरण को समझाया। उन्होंने कहा कि कानून का चयन आर्थिक लाभ के बजाय एक प्रेरणादायक विकल्प है और कहा कि लॉ आपको चुनता है, न कि आप लॉ को चुनते हैं। उन्होंने विविध कानूनी प्रथाओं, कानून और प्रौद्योगिकी के अंतर्संबंध, कानूनी सेवाओं के वैश्वीकरण, बदलती ग्राहक अपेक्षाएं, और कानूनी नैतिकता व सामाजिक जिम्मेदारी के पांच प्रमुख प्रभाव कारकों को सूचीबद्ध किया। उन्होंने इस आयोजन को देश के सभी विद्यार्थियों के लिए निशुल्क खोलने के लिए आयोजन टीम की भी सराहना की।

उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि श्री वी. श्रीधरन ने अपने की नोट एड्रेस में श्रोताओं को रोचक किस्सों और हास्य के साथ बांध कर रखा। उन्होंने कहा कि लॉ की बारीकियां क्लासिकल लीगल टेक्स्ट्स के माध्यम से सबसे अच्छी तरह समझी जा सकती हैं, जैसे कि चेशायर के कार्य, जिन्हें वे विभिन्न कानूनी पहलुओं के लिए बुनियादी स्रोत मानते हैं। आधुनिक शोध उपकरण सुविधाजनक हो सकते हैं, लेकिन पारंपरिक स्रोत मौलिक अवधारणाओं पर अधिक स्पष्टता प्रदान करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय लेखकों द्वारा उच्च गुणवत्ता की टिप्पणियों की कमी के कारण कानून का विकास धीमा है।

स्वागत भाषण डॉ. विपन कुमार, रजिस्ट्रार (प्रभारी) द्वारा दिया गया, और डॉ. अंकित अवस्थी, समन्वयक, CDC 2.0 ने कैरियर डेवलपमेंट कॉन्क्लेव 2.0 की जानकारी दी। कॉन्क्लेव 2.0, जो HNLU और अन्य लॉ छात्रों के लिए पंजीकरण द्वारा खुला है, अगले छह महीनों तक सप्ताहांत में ऑफलाइन/ ऑनलाइन मोड में आयोजित किया जाएगा। इसमें भारत/विदेश के प्रमुख लॉ फर्मों के विशेषज्ञों द्वारा 20+ थीमैटिक सत्र होंगे; कैरियर विकास विशेषज्ञों, अकादमिक और अन्य विधिवेत्ताओं के सत्र छात्रों की करियर संभावनाओं के प्रति समझ और जागरूकता को बढ़ाने में मदद करेंगे और संभावित रिक्रूटर्स के साथ संवाद स्थापित करेंगे। CDC 2.0 को HNLU के इंटर्नशिप और रिक्रूटमेंट कोऑर्डिनेशन कमेटी और R-Has @ HNLU (रिसर्च- हब एंड स्पोक @ HNLU) स्कूल्स द्वारा डिजाइन और क्यूरेट किया गया है।

कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ श्री अभिनव शुक्ला, सह-समन्वयक, CDC 2.0 द्वारा किया गया। उद्घाटन सत्र के बाद वैश्विक सम्मेलन: कानूनी प्रतिभा गतिशीलता का नेविगेशन- हायर से इंस्पायर तक: भर्ती, प्रतिधारण और उन्नति रणनीतियाँ का आयोजन हुआ, जिसमें श्रीमती नूपुर अग्रवाल, कार्यकारी पार्टनर, लक्ष्मीकुमारन एंड श्रीधरन अटॉर्नीज, श्री वैभव गंजिवाले, प्रमुख, लर्निंग एंड डेवलपमेंट, सिरिल अमरचंद मंगलदास, श्री सैफुर रहमान फारिदी, पार्टनर, शार्दूल अमरचंद मंगलदास एंड कंपनी, श्रीमती स्तुति तोशी, मैनेजर, प्राइस वाटरहाउस एंड कंपनी एलएलपी, और श्री प्रशांत जैन, प्रमुख, लीगल, अविनाश ग्रुप ने कानूनी करियर की योजना बनाने के लिए अंतर्दृष्टिपूर्ण और अनुभवजन्य पहलुओं पर चर्चा की। इस आयोजन का लाइव प्रसारण HNLU यूट्यूब चैनल पर किया गया और इसे इस लिंक पर देखा जा सकता है- https://www.youtube.com/watch?v=~vUwryROCfc।

6 अक्टूबर 2024 को कैरियर डेवलपमेंट कॉन्क्लेव 2.0 के दूसरे सत्र पैनल चर्चा - अंतर्राष्ट्रीय व्यापार कानून- वैश्विक कॉर्पोरेट गवर्नेंस का अन्वेषण का आयोजन हुआ। इस पैनल में श्री विनायक मिश्रा, जनरल काउंसल, लाइटस्पीड इंडिया पार्टनर्स एडवाइजर्स, श्रीमती शुभ्या पांडे, अंतर्राष्ट्रीय कमर्शियल लॉयर, एयरवेंस, फ्रांस, श्रीमती मृदा लखमानी, वरिष्ठ विधिक सलाहकार, आर्सेलर मित्तल - यूएस निप्पन स्टील - जापान इंडिया, श्रीमती वासुधा सेन, वरिष्ठ पार्टनर, आरआरजी एंड एसोसिएट्स, और श्रीमती मनीषा चौधरी, डिज़ाइनटेड एंड मैनेजिंग पार्टनर, यूकेसीए एंड पार्टनर्स एलएलपी शामिल थीं।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा मे. विश्व परिवार इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं.-421 सेक्टर-सी, सड़क नं.-7 उरला इंडस्ट्रीयल एरिया उरला, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बस्तर संभाग

रायपुर सोमवार 07 अक्टूबर 2024

संक्षिप्त समाचार

जनपद पंचायत के बाबू का रिश्वत लेते वीडियो, पांच-पांच सौ का नोट लेते दिखा

सक्ती(विश्व परिवार)। जनपद पंचायत का बाबू रिश्वत लेते हुए कैमरे में कैद हुआ है। विधायक निधि से बनी सीसी रोड का चेक काटने सरपंच को कई महीनो तक घूमाने के बाद पैसे लेकर चेक काटा। जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। जनपद पंचायत कार्यालय जैजैपुर में पदस्थ बाबू वेंकटेश्वर वर्मा ने ग्राम पंचायत बर्रा में विधायक निधि से बने सीसी रोड़ का चेक काटने सरपंच से रूपयो की मांग की थी। पैसे नहीं देने पर कई महीनो से सरपंच को घुमाया जा रहा था। सरपंच पंचायत में विधायक निधि से बनने वाले सीसी रोड का निर्माण पूरा कराकर बकाया भुगतान राशि लेने के लिए बाबू का चक्कर लगा रहा था। परेशान होकर सरपंच ने दूसरे व्यक्ति के माध्यम से बाबू को रुपए देने के लिए भेजें और इसका वीडियो बनवा लिया। जो अब सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। मिली जानकारी के अनुसार जनपद पंचायत जैजैपुर में बाबू वेंकटेश्वर वर्मा लंबे समय से पदस्थ है और उनके द्वारा बिना रुपए लेनदेन के कोई भी कार्य नहीं करने का आरोप भी लग रहा है। पंचायत के कार्यों के लिए रुपए की मांग करने का आरोप बाबू पर लगता रहता है। वहीं आरोपी बाबू ने वायरल वीडियो के संबंध में मीडिया से कहा कि उक्त व्यक्ति को मेरे द्वारा उधार दिया गया था,जिसका ब्याज पटाने उक्त व्यक्ति कार्यालय आया था। अब सवाल यह उठता है कि सूदखोरी करना भी कानूनन अपराध हैं, पर बाबू के द्वारा ब्याज में पैसे चलाने की खुद स्वीकारोत्ति की जा रही हैं।

डायरिया का प्रकोप, एक ही परिवार के 3 लोगों की मौत

बस्तर(विश्व परिवार)। जिले के दरभा ब्लॉक में एक बार फिर डायरिया का प्रकोप देखने को मिल रहा है. ब्लॉक के मूंडागढ़ गांव के काचीरास पारा में हफ्ते भर के अंदर 3 ग्रामीणों की मौत हो गई है. बीते 29 सितम्बर को उल्टी दस्त की वजह से समदू नाग की मौत हो गई. वहीं 30 सितंबर को एक महिला पदमा की मौत हुई. जबकि एक और महिला की शुक्रवार को गुरवारी की मेडिकल कालेज जगदलपुर में इलाज के दौरान मौत हो गई. बता दें सभी मृतक एक ही परिवार के हैं. इस मामले में प्रशासन ने उल्टी दस्त से एक की मौत की बात स्वीकार की है जबकि अन्य मौतों की जांच रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है. लगातार हो रही मौतों के बाद स्वास्थ्य विभाग गांव में शिविर लगा कर ग्रामीणों की जांच कर रहा है. गौरतलब है कि कुछ दिन पहले ही दरभा ब्लॉक के कोयनार में एक बच्चे समेत 5 ग्रामीणों की मौत हो गई थी.

मोटरसाइकल चोरी के आरोपी गिरफ्तार

गरियाबंद(विश्व परिवार)। सिटी कोतवाली पुलिस द्वारा एक आरोपी को मोटरसाइकल चोरी करने के आरोप में गिरफ्तार करते हुए जेल भेजा गया।घटना के विषय में सिटी कोतवाली से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम बारुला निवासी तुलेश्वर साहू पिता शिव प्रसाद साहू द्वारा 3 अक्तूबर को सिटी कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराया गया की वो 26 सितंबर के शाम 3 से 5 बजे के बीच बारुला ग्राम के समीप अपने खेत में धान की निन्दाई कराने गया था,वही सड़क किनारे खड़े उसकी मोटरसाइकल को किसी अज्ञात चोर के द्वारा चोरी कर ले गया।इस घटना पर सिटी कोतवाली प्रभारी ओमप्रकाश यादव द्वारा भारतीय न्याय संहिता 303 (2) कायम कर कोतवाली से एएसआई देवेन्द्र वर्मा और प्रधान आरक्षक रामकृष्ण साहू को आरोपी का पता तलाश करने की जिम्मेदारी दिया गया।वही कोतवाली टीम को मुखबिर से सूचना मिला की एक व्यक्ति ग्राम बारुला के बाजार में एक मोटरसाइकल बेचने की तलाश में घूम रहा है,इस जानकारी के आधार पे एएसआई देवेन्द्र वर्मा और प्रधान आरक्षक रामकृष्ण साहू मौके पर पहुंचे और आरोपी ग्राम कोसमी ब निवासी वेदव्यास नेताम को पकड़कर सिटी कोतवाली लेकर आए और कड़ाई से पूछताछ किए,जिससे आरोपी ने चोरी की घटना करना स्वीकार किया।

दुर्गा पंडाल में पहुंचा भालू

कांकेर(विश्व परिवार)। जिले के लारगांव स्थित दुर्गा पंडाल में देर रात एक भालू अचानक घुस आया. घटना उस समय की है जब पंडाल में लगभग 10 ग्रामीण सो रहे थे. भालू तेल पीने की लालच में पंडाल में घुस गया, लेकिन गनीमत रही कि उसने किसी पर हमला नहीं किया. ग्रामीणों ने स्थिति को संभालते हुए शांति बनाए रखी, जिससे बड़ा हादसा टल गया। कांकेर जिले में जंगली जानवरों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है. भालू के अलावा तेंदुए भी रिहायसी इलाकों में घुसकर हिंसक हो रहे हैं. इन जंगली जानवरों की गतिविधियों से वन विभाग के सामने बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है. बीते कुछ दिनों में तेंदुए ने बच्चों सहित अन्य लोगों पर हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया है।

यात्री प्रतीक्षालयों से नहीं हटीं पूर्व मंत्री-विधायकों की तस्वीरें

भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के कार्यकर्ताओं ने कड़ी नाराजगी जताई है

भटगांव(विश्व परिवार)। बिलाईगढ़ विधानसभा के नगर पंचायत भटगांव में प्रशासनिक लापरवाही का मामला सामने आया है। नगर के नेशनल हाईवे 130 बी पर बने यात्री प्रतीक्षालयों में अभी भी पूर्ववर्ती सरकार के मंत्री और विधायकों की तस्वीरें लगी हुई हैं, जिसे लेकर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के कार्यकर्ताओं ने कड़ी नाराजगी जताई है। बीजेपी जिला महामंत्री धीरज सिंह ठाकुर, पूर्व नगर अध्यक्ष टाइगर कुर्रे, और वरिष्ठ कार्यकर्ता देवेन्द खूंटे ने प्रशासन पर आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदेश में भाजपा की सरकार बने हुए लगभग एक साल हो चुका है, फिर भी प्रतीक्षालयों में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और क्षेत्रीय विधायक चंद्रदेव राय की तस्वीरें और जिला का नाम अब तक नहीं हटाए गए हैं। धीरज सिंह ठाकुर और देवेन्द खूंटे ने बताया कि इस मुद्दे को लेकर भाजपा जिलाध्यक्ष सुभाष जालान ने बिलाईगढ़ के अनुविभागीय अधिकारी को दूरभाष के माध्यम से सूचित किया था, लेकिन अब तक प्रशासन ने कोई कार्रवाई नहीं की है। कार्यकर्ताओं का कहना है कि आचार संहिता के दौरान भी प्रशासन ने तस्वीरें नहीं हटाईं, जो बड़ी लापरवाही को दर्शाता है। बीजेपी कार्यकर्ताओं ने स्वच्छ भारत मिशन के तहत प्रतीक्षालयों की गंदगी और सफाई व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। उन्होंने प्रतीक्षालयों में गंदगी का ढेर होने की शिकायत की और प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए साफ-सफाई की दिशा में ध्यान देने की मांग की है।

आदिवासी उप परियोजना के तहत जैविक नियंत्रण कृषक प्रशिक्षण एवं सामग्री वितरण पर हुई कार्यशाला

दंतेवाड़ा(विश्व परिवार)। कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा प्राप्त जानकारी अनुसार विगत दिवस राष्ट्रीय कृषि कीट संसाधन ब्यूरो, बैंगलोर द्वारा प्रदत्त आदिवासी उप परियोजना अंतर्गत जैविक खेती एवं जागरूकता के लिए प्रशिक्षण एवं सामग्री वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम का उद्देश्य आदिवासी किसानों को जैविक खेती के लाभों के प्रति जागरूक करना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। प्रशिक्षण में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर, कृषि कीट विज्ञान विभाग से डॉ- योगेश कुमार मेश्राम, प्रमुख अन्वेषक, जैविक नियंत्रण प्रयोगशाला ने कृषकों को खेती में जैव उत्पादों का उपयोग करने, डॉ बी.पी. कतलम, प्रमुख वैज्ञानिक ने कृषक मित्र कीटों के संरक्षण, डॉ. विकास सिंग ने रसायन मुक्त खेती करने ,डॉ. प्रताप सिंह राठिया प्रभारी एवं प्रमुख आलू अनुसंधान केन्द्र मैनपाट ने आलू की उन्नत खेती के विषय के संबंध में विस्तार पूर्वक बताया। कार्यक्रम में उपस्थित किसानों ने भी इन विधियों को अपनाने के लिए अपनी रुचि जाहिर की और विशेषज्ञों से शंका का समाधान भी किया। इसके अलावा कार्यक्रम में उपस्थित कृषि विज्ञान केन्द्र से श्री डिप्रोशन बंजारा (वरिष्ठ वैज्ञानिक व प्रमुख, डॉ- प्रवीण कुमार निषाद (विषय वस्तु विशेषज्ञ, डॉ- सत्यनारायण सिंग (प्रक्षेत्र प्रबंधक एवं एस- के- पोडयाम, (कार्यक्रम सहायक ने कृषकों को जैविक खेती करने हेतु प्रेरित किया।

नगर पालिका अध्यक्ष गफ्फू मेमन पहुंचे सुदूर वनांचल क्षेत्र बुटेंगा, सैकड़ों ग्रामीणों को दिलाई भाजपा की सदस्यता

गरियाबंद(विश्व परिवार)। समूचे देश में एक सितंबर से भाजपा का सदस्यता अभियान जारी है। भाजपा की जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता गांव-गांव घर-घर जाकर लोगों को केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी देते हुए भाजपा की सदस्यता दिला रहे हैं।भाजपा इस अभियान को चुनाव की तर्ज में चला रही है,जिसके चलते अभियान की सफलता के लिए एक-एक गांव को लक्ष्य बनाया गया है।इस कड़ी में अभियान की सफलता को लेकर शनिवार को नगर पालिका अध्यक्ष अब्दुल गफ्फार मेमन सुदूर वनांचल क्षेत्र में नदी नालों को पार करते हुए दूरस्थ गांवों में पहुंचे। उन्होंने ग्राम बेनकुरा,जुनाडीही,बुटेंगा,दर्रीपारा सहित अनेक अन्य पहुंचविहीन गांवों में पहुंच केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए ग्रामीणों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी से जुड़ने का आह्वान किया। मेमन ने यहां मोदी की गारंटी,3100 रुपए में धान खरीदी, महतारी वंदन के महिलाओं को मिलने वाले एक हजार रुपए प्रति माह,प्रधानमंत्री आवास,तेंदूपत्ता बोनस,पीएम किसान निधि सहित विभिन्न योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी।इस दौरान उन्होंने कहा कि पूरे विश्व में भारतीय जनता पार्टी एकमात्र पार्टी है जो अंत्योदय के सिद्धांत का पालन करते हुए गांव के अंतिम छोर के व्यक्ति तक विकास पहुंचे इसकी चिंता करती है।आज कोरोना काल के बाद भी गरीबों को निशुल्क मिलने वाला चांवल इसका बड़ा उदाहरण है।नपा अध्यक्ष विमान ने कहा कि केंद्र सरकार ने गरीबों किसानों मजदूरों सहित हर वर्ग के विकास को प्राथमिकता दी है ग्रामीण भी भाजपा से जुड़कर इसे मजबूती प्रदान करें।इस दौरान ग्रामीणों ने भी भारतीय जनता पार्टी से जुड़ने उत्साह दिखाया।

अग्रसेन वाटिका में स्थापित महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा का हुआ पूजन

रामानुजगंज(विश्व परिवार)। नगर के वार्ड क्रमांक 15 में अग्रसेन वाटिका में स्थापित महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा पर अग्र समाज के द्वारा विधि विधान से पूजा अर्चना किया गया। जिसमें नगर के बड़ी संख्या में अग्र समाज के लोग उपस्थित रहे। विदित हो कि विगत कई वर्षों से रामानुजगंज में अग्रसेन जयंती अग्र समाज के द्वारा बहुत धूमधाम से मनाई जा रही है इस वर्ष नगर के संभ्रांत व्यवसाई राजेश अग्रवाल ने अपने धर्मपत्नी संतोष अग्रवाल के साथ मुख्य यजमान बन विधि विधान से महाराजा अग्रसेन की पूजा पाठ के कार्य को संपन्न किया। संपूर्ण वैदिक अनुष्ठान रानी सती दादी मंदिर के पुजारी धीरज पांडे के द्वारा संपन्न कराया गया। इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष रमन अग्रवाल ने अग्र समाज से प्री वेडिंग सूटिंग का बहिस्कार करने की अपील करते कहा कि महाराजा अग्रसेन कर्मयोगी लोकनायक समाजवाद के प्रणेता युग पुरुष तपस्वी रामराज के समर्थक एवं महादानी थे। महाराजा अग्रसेन जी का जन्म द्वापर युग के अंत और कलयुग के प्रारंभ में हुआ था वे भगवान श्री कृष्ण के समकालीन थे महाराजा अग्रसेन का जन्म अश्विनी शुक्ला प्रतिपदा को हुआ इसलिए नवरात्रि के प्रथम दिवस को अग्रसेन महाराज की जयंती के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर प्रमुख रूप से अग्रवाल समाज की कमला अग्रवाल, राधा अग्रवाल, शिप्रा अग्रवाल, श्यामा अग्रवाल, कौशल अग्रवाल, संतोष अग्रवाल, सीमा अग्रवाल, सूरज अग्रवाल, लक्ष्मी अग्रवाल सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

शिशुरोग विशेषज्ञ जिला अस्पताल में दे रहे बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं

महेश एवं कमला के नवजात शिशु को मिला जीवनदान

बीजापुर(विश्व परिवार)। माता कमला एवं पिता महेश कोरसा के नवजात शिशु का जन्म 25 अगस्त 2024 को जिला चिकित्सालय बीजापुर में हुआ था जिसका वजन सामान्य वजन से बहुत कम और समय से पूर्व 7 माह में पैदा हुआ था। समय से पहले पैदा होने के कारण बच्चे के फेफड़े कमजोर थे बच्चों को सांसं लेने में परेशानी हो रही थी बच्चा सांस नही ले पा रहा था। बच्चे को तुरंत मशीन में रखा गया और साथ में बच्चे के फेफड़ों की वृद्धि के लिए बेहतर उपचार भी दिया गया जिसमें बच्चे की फेफड़े मजबुत व वृद्धि हुई फिर बच्चे को कुछ दिन सीपीएपी मशीन में रखा गया फिर 14 दिनों के लिए संक्रमण कम करने वाली एंटीबायोटिक्स की दवा भी दी गई। फिर धीरे-धीरे ऑक्सीजन की मात्रा को कम किया गया। धीर-धीरे बच्चे के उपचार के पश्चात वजन बढ़ाने के लिए दवाईयां भी दी गई जिससे बच्चे के वजन में बढ़ोतरी हुई। एसएनसीयू में अच्चे सुविधा एवं ईलाज के कारण बच्चे को नए जीवन मिला और बच्चा 40 दिनों के बाद स्वस्थ्य हो कर उनका वजन बढ़ाकर 1.5 किलो ग्राम तक बढ़ गया उसके बाद छुट्टी दिया गया। जिला अस्पताल के शिशुरोग विभाग में नवजात शिशु व बाकी बच्चों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिल रहा है।

जन योजना अभियान के तहत ग्रामीणों को दी गई गांव में होने वाले विकास की जानकारी

दंतेवाड़ा(विश्व परिवार)। ग्राम सभा जन योजना अभियान के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा चयनित 750 ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभा का आयोजन किये जाने हेतु इस जिले के जनपद पंचायत गीदम की चार पंचायतें, गुमडा, गुटोली, कसोली 01, बिंजाम, जनपद पंचायत दंतेवाड़ा की 1 पंचायत बालूद तथा जनपद पंचायत कुआकोंडा की 2 पंचायतें पालनार व गढमीरी में विषेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत गुमडा में ग्राम सभा के जिला नोडल अधिकारी व जनपद पंचायत गीदम के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री कृपेन्द्र तिवारी ने ग्राम सभा की महत्व और उसकी भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ग्राम सभाएं ग्रामीण विकास और योजनाओं के क्रियान्वयन में सहभागिता सुनिश्चित करने का एक महत्वपूर्ण मंच है। और सभा में ग्राम वासियों को जन योजनाओं, पंचायत की विकास योजनाओं और सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी जाती है। ग्राम सभा के दौरान सरपंच श्रीमती नंदा मंडावी के द्वारा जन भागीदारी के माध्यम से लोगो की कार्ययोजना पर चर्चा करते हुए। गांव वासियों के महत्वपूर्ण मुद्दों के संबंध में बताया गया। ट्रांसफॉर्मिंग रूरल इंडिया फाउंडेशन के कर्मचारी तथा जनपद पंचायत गीदम बिहान के प्रतिनिधि श्री सौरभ दत्ता के द्वारा पंचायतों की कार्ययोजना बनाने में सहयोग तथा जिला समन्वयक श्री देवेन्द्र साहू के द्वारा ग्राम सभा निर्णय एप्प के बारे में ग्रामीणों को जानकारी दी गयी। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत में स्वच्छता पर शपथ लिया गया व सभी जगह पर साफ सफाई रखने व स्वच्छता संदेश रैली के माध्यम से ग्राम वालों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम में संचालन में जनपद पंचायत प्रतिनिधि, ग्राम पंचायत सरपंच, उपसरपंच, ग्राम पंचायत सचिव, वार्ड पंच, व ग्राम के वरिष्ठ नागरिक, ग्राम संगठन की महिलाएं, स्व सहायता समूह की महिलाएं उपस्थित थी।

आवास मेला में हितग्राहियों को आवास संबंधी जानकारी दी गई

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत चिल्हाटी में नव निर्मित आवास का गृह प्रवेश, भूमिपूजन और प्रमाण पत्र वितरण

मोहला(विश्व परिवार)। जिले के विकासखंड चौकी अंतर्गत कलस्टर स्तर पर ग्राम चिल्हाटी में प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत वृहत आवास मेला सह अभिमुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष गीता घासी साहू, जनपद पंचायत अं.चौकी अध्यक्ष कुमारी बाई जुरेशिया, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष नरोत्तम देहरी, जिला परियोजना निदेशक हेमंत ठाकुर, जनपद पंचायत सीईओ अं.चौकी प्रियंवदा रामटेके, जनप्रतिनिधिगण, सरपंच, सचिव, सहित प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राही, राजमिस्त्री, वेंडर एवं बड़ी संख्या में आमनागरिकगण उपस्थित थे। आवास मेला में प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को आवास की डिजाइन, आवास में लगने वाली सामग्री तथा उसकी सम्भावित लागत राशि की जानकारी दी गई तथा समय सीमा में आवास पूर्ण करने हेतु समझाइश दी गई। उन्हें अवगत कराया गया कि जितनी जल्दी आपके द्वारा आवास का निर्माण किया जाएगा, उतनी ही कम लागत में आपका आवास बन जाएगा। वर्तमान में नवरात्र पर्व चल रहा है, अतः इसी शुभ पर्व पर संपूर्ण स्वीकृत आवास को तत्काल प्रारंभ कराएं व पूर्व के अपूर्ण आवास को शीघ्र पूर्ण कराएं, उपस्थित राजमिस्त्री तथा वेंडरों को भी प्राथमिकता अनुसार हितग्राहियों को मदद करने की अपील की गई। अभिमुखीकरण कार्य शाला में पूर्ण हो चुके आवासों में हितग्राहियों को आवास की चाबी सौंप कर प्रतीकात्मक रूप से गृह प्रवेश कराया गया। साथ ही हितग्राहियों को विभागीय अधिकारियों द्वारा यह भी अवगत कराया गया कि उनके और उनके परिवार को शासन की विभिन्न योजनाओं से पात्रतानुसार प्राथमिकता में निम्नलिखित लाभ भी प्रदान किए जाने का प्रावधान है। जैसे, आधार पंजीयन, राशन कार्ड, शौचालय, मनरेगा अंतर्गत रोजगार, उज्ज्वला योजना, आवास में विद्युतीकरण, आयुष्मान कार्ड, प्रधानमंत्री कृषक सम्मान, किसान क्रेडिट कार्ड, पेंशन, आय, जाति, निवास प्रमाण पत्र, प्रधान मंत्री मातृ वंदन योजना, हर घर जल, आजीविका गतिविधि से जोडना आदि। हितग्राहियों को किश्त राशि जारी किए जाने के स्तर की भी जानकारी दी गई, कुल स्वीकृत राशि 1 लाख 20 हजार रु में से प्रथम किश्त आवास स्वीकृति पर 40 हजार रु. दूसरी किश्त प्लिंथ होने पर 60 हजार रु, तथा पूर्ण होने पर 20 हजार रु दिए जाने का प्रावधान रखा गया है। जिले में वर्ष 2024-25 में कुल 10636 आवास स्वीकृत तथा 8794 आवासों में प्रथम किश्त जारी हो चुकी है। इन आवासों को 12 माह के भीतर पूर्ण कराने हेतु हितग्राहियों से अपील की गई। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष गीता घासी साहू ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आवास मेला केवल एक आयोजन नही, बल्कि यह उन लाखों लोगों के सपानों की नींव है, जो वर्षो से अपने घर की चाहत लिए संघर्ष कर रहे हैं। इस मेले के माध्यम से लोगों को आवास संबंध योजनाओं और अवसरों से अवगत करा रही हैं, जिससे हर व्यक्ति अपने घर के सपन को वास्तविकता में बदल सके। उन्होंने सभी आवास स्विकृत हितग्राहीयों बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

व्यापार समाचार

होण्डा मोटरसाइकिल एण्ड स्कूटर इंडिया ने मध्य भारत के राज्यों उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में 1 करोड़ उपभोक्ताओं का आंकड़ा पार किया

लखनऊ : होण्डा मोटरसाइकिल एण्ड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने आज देश के मध्य भारत में उल्लेखनीय उपलब्धि की घोषणा की है, जिसमें उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, उत्तराखण्ड और छत्तीसगढ़ शामिल हैं। एचएमएसआई ने इन राज्यों में 1 करोड़ दोपहिया वाहनों की समग्र बिक्री का आंकड़ा पार कर लिया है, जो कंपनी की सशक्त मौजूदगी तथा खरीददारों के पसंदीदा ब्राण्ड के रूप में इसकी मजबूत स्थिति की पुष्टि करता है। होण्डा ने 2001 में अपने पहले दोपहिया वाहन एक्टिवा के साथ भारतीय बाज़ार में प्रवेश किया और इसके बाद कंपनी द्वारा रचा गया इतिहास सबके सामने है। पिछले सालों के दौरान कंपनी ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं और विभिन्न क्षेत्रों के उपभोक्ताओं की ज़रूरतों को पूरा करते हुए भारत के सबसे पसंदीदा दोपहिया ब्राण्ड्स में से एक रूप में अपनी स्थिति को बनाए रखे हुए है। इन राज्यों में 1 करोड़ की बिक्री की उपलब्धि एचएमएसआई के उपभोक्ताओं के भरोसे, अटूट विश्वास तथा डीलर पार्टनर्स के सहयोग का प्रमाण है। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, उत्तराखण्ड और छत्तीसगढ़ एक साथ मिलकर देश का मध्य भाग बनाते हैं। 2001 में अपनी शुरूआत के बाद से एचएमएसआई ने 2017 में इन राज्यों में 50 लाख युनिट्स की बिक्री की उपलब्धि हासिल कर ली। हालांकि अगली 50 लाख युनिट्स तक पहुंचने में कंपनी को 7 साल से भी कम समय लगा और अब कंपनी के परिवार में 1 करोड़ से अधिक उपभोक्ता शामिल हो गए हैं। एक्टिवा क्षेत्र में कंपनी का सबसे ज़्यादा बिकने वाला मॉडल है, इसके बाद 125 सीसी में शाईन 125 और एसपी 125 बेहद लोकप्रिय हैं। इसके अलावा शाईन 100 को भी उपभोक्ताओं ने खूब पंसद किया है, जिसने 100-110 सीसी सेगमेन्ट में अच्छा मार्केट शेयर बनाने में मदद की है। इन चारों राज्यों में एचएमएसआई के 1200 से अधिक नेटवर्क टचपॉइन्ट्स हैं ऐसे में यह ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के लोगों के लिए आसानी से सुलभ है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर बात करते हुए श्री योगेश माथुर, डायरेक्टर, सेल्स एण्ड मार्केटिंग, होण्डा मोटरसाइकिल एण्ड स्कूटर इंडिया ने कहा, ''ब्राण्ड होण्डा में उपभोक्ताओं ने जिस तरह से भरोसा दिखाया है, उसके लिए हम उनके आभारी हैं। यह उपलब्धि उपभोक्ताओं को उच्च गुणवत्ता के प्रोडक्ट्स एवं उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। हम इसी संवेग को बनाए रखने तथा शहरी एवं ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की विभिन्न ज़रूरतों को पूरा करते रहने के लिए प्रयासरत हैं।''

कोटक म्यूचुअल फंड ने लॉन्च किया कोटक एमएनसी फंड, पोर्टफोलियो में मल्टीनेशनल कंपनियों के स्टॉक शामिल करने का मौका

मुंबई : अगर आप म्यूचुअल फंड की किसी नई और इनोवेटिव थीम वाली स्कीम में निवेश करना चाहते हैं, तो आपके पास अच्छा मौका है। कोटक महिंद्रा एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड (चक्र्स्ख्/कोटक म्यूचुअल फंड) ने मल्टीनेशनल कंपनीज (स्ल्ह्ष्ट) थीम पर आधारित अपना न्यू फंड ऑफर (ह्स्नह) लॉन्च किया है। यह नई स्कीम कोटक एमएनसी फंड के नाम से लॉन्च की गई है, जो एक ओपन-एंडेड इक्विटी स्कीम है। इस फंड के जरिए निवेशकों को ग्लोबल लेवल पर पहुंच वाली मल्टीनेशनल कंपनियों में एक्सपोजर मिलेगा। पोर्टफोलियो में अलग अलग सेक्टर और अलग अलग मार्केट कैप की मजबूत मल्टीनेशनल कंपनियों के स्टॉक होंगे, जिससे डाइवर्सिफिकेशन का भी लाभ मिलेगा। कोटक एमएनसी फंड सब्सक्रिप्शन के लिए 7अक्टूबर, 2024को खुल रही है और इसमें 21अक्टूबर, 2024 तक निवेश किया जा सकता है। मल्टीनेशनल कंपनियों को अपनी ग्लोजबल उपस्थिति, मजबूत ब्रांड और रिसर्च एंड डेवलपमेंट क्षमताओं के साथ, अक्सर घरेलू कंपनियों पर कुछ बढ़त का लाभ मिलता है। कोटक एमएनसी फंड उन मल्टीनेशनल कंपनियों में निवेश पर फोकस करता है, जो अपनी मजबूत ग्लोबल ब्रांड प्रेजेंस, एडवांस ऑपरेशन, एडवांस टेक्नोलॉजी के चलते मिलने वाले लाभ, मजबूत मैनेजमेंट क्वालिटी और वित्तीय रूप से मजबूती के लिए जानी जाती हैं। ये कंपनियां अलग अलग सेक्टर में मौजूद हैं और महत्वपूर्ण इंटरनेशनल बिजनेस एक्सपोजर रखती हैं। यह फंड निवेशकों को एक डाइवर्सिफाइड पोर्टफोलियो प्रदान करता है, जो इन अच्छी तरह से स्थापित ग्लोबल कंपनियों की दीर्घकालिक ग्रोथ क्षमता का लाभ उठाता है। यानी इसमें निवेशकों को मल्टीनेशनल कंपनियों की ग्रोथ का फायदा मिलता है। एमएनसी फंडों में निवेश करने से पोर्टफोलियो में डाइवर्सिफिकेशन आता है, जिससे रिस्क और अस्थिरता कम होती है। बाजार की अनिश्चितताओं के दौरान यह विशेष रूप से फायदेमंद हो सकता है।

हिंडनबर्ग मामले में फंसीं सेबी चीफ, पीएसी के सामने होंगी पेश आरोप पर देना होगा जवाब

नई दिल्ली(एजेंसी)। मार्केट रेगुलेटर सेबी की चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच इन दिनों विवादों में घिरी हुई हैं। अमेरिकी शॉर्ट सेलर फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च द्वारा लगाए गए गंभीर आरोपों के बाद अब उन्हें संसद की लोक लेखा समिति के सामने पेश होना होगा। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, सेबी चीफ 24 अक्टूबर को पीएसी के सामने अपनी पेशी दर्ज कराएंगी। इस बैठक में सेबी के साथ-साथ वित्त मंत्रालय और भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण के शीर्ष अधिकारियों को भी बुलाया गया है। पीएसी की इस बैठक में सेबी के कामकाज की समीक्षा की जाएगी। विशेष रूप से, हिंडनबर्ग रिसर्च द्वारा लगाए गए आरोपों की जांच की जाएगी। यह देखा जाएगा कि सेबी ने इन आरोपों पर क्या कार्रवाई की है। हिंडनबर्ग रिसर्च ने माधबी पुरी बुच और उनके पति धवल बुच पर अडानी ग्रुप के साथ कथित तौर पर गहरे संबंध होने के आरोप लगाए थे। इसने सेबी चीफ की मुश्किलें बढ़ा दी हैं।

एमेलिया कर के रन आउट घटनाक्रम ने खड़े किए सवाल

दुबई(एजेंसी)। शुक्रवार को दुबई में महिला टी20 विश्व कप 2024 में भारत-न्यूज़ीलैंड मैच के दौरान पहली पारी में एमेलिया कर को रन आउट न दिए जाने को लेकर विवाद की स्थिति पनप गई। भारतीय टीम ने 14वें ओवर में कर द्वारा रन लेने के प्रयास में रन आउट की अपील की, जिसे अंपायर ने नकार दिया। दरअसल दीप्ति शर्मा की अंतिम गेंद पर लॉन्ग ऑफ़ पर शॉट खेले जाने के बाद सोफ़ी डिवाइन और कर ने मिलकर दूसरा रन लेने का प्रयास किया और स्ट्राइकर एंड पर कर क्रीज़ तक नहीं पहुंच पाईं। हालांकि दूसरे रन के लिए भागे जाने से पहले ही दीप्ति ने अंपायर से अपनी कैप वापस मांग ली थी। इसका मतलब था कि गेंद डेड हो चुकी थी क्योंकि अंपायर द्वारा गेंदबाज़ को कैप थमाए जाने के बाद गेंद को प्ले में नहीं माना जा सकता था और हरमनप्रीत कौर ने इस घटना के बाद ही गेंद को विकेटकीपर की ओर थ्रो किया था। इस पूरे घटनाक्रम के दौरान सात मिनट तक के लिए खेल रुका रहा। भारतीय मुख्य कोच अमोल मजूमदार भी रन आउट न दिए जाने पर निराश दिखाई दिए। वह बाउंड्री लाइन के पास चौथे अंपायर के साथ चर्चा करते हुए दिखाई दे रहे थे। रन आउट की अपील नकारे जाने और सिंगल दिए जाने के बाद अगले ओवर की शुरुआत में कर को वापस स्ट्राइक पर आना चाहिए था, लेकिन उनकी जगह पर डिवाइन ने स्ट्राइक लिया और सिंगल लिए जाने के बाद कर वापस स्ट्राइक पर आ गईं। हालांकि कर अगली गेंद पर एक्स्ट्रा कवर के हाथों कैच थमा बैठीं। रन आउट की इस अपील पर डेड बॉल से संबंधित एमसीसी का नियम यही कहता है कि ऐसी स्थिति में गेंदबाज़ या विकेटकीपर का रुख़ एक अच्छा मार्गदर्शक हो सकता है। हालांकि ऐसी स्थिति में भी अंपायर की राय ही मान्य होती है। अगर अंपायर को लगता है कि गेंद पूरी हो चुकी थी तो उसे डेड माना जाएगा, इससे फ़र्क नहीं पड़ता यदि कोई एक या अधिक खिलाड़ी यह मानते हों कि गेंद अभी भी प्ले में है।

हरमनप्रीत कौर ने करारी हार के बाद सामने मानी गलती, बताया कहां हुई टीम इंडिया से चूक

नई दिल्ली(एजेंसी)। वुमेन्स टी-20 वर्ल्ड कप 2024 में टीम इंडिया को पहले मैच में हार का सामना करना पड़ा. न्यूजीलैंड ने 58 रनों से भारत को मात दी. इस हार के बाद भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर नाखुश दिखीं. उन्होंने सबके सामने अपनी टीम की गलती मानी. आइए आपको बताते हैं कि भारतीय कप्तान ने क्या-क्या कहा.. टी-20 वर्ल्ड कप 2024 में हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही है. टीम को पहले मैच में हार का सामना करना पड़ा. इस करारी हार के बाद भारतीय कप्तान ने स्वीकार किया कि उनकी टीम ने सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट नहीं खेला. पोस्ट मैच प्रेजेंटेशन में हरमनप्रीत ने कहा, हमने अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट नहीं खेला, जबकि उन्होंने बेहतरीन खेल दिखाया. हमने मौके बनाए, लेकिन उसको भुना नहीं सके. फील्डिंग में हमने काफी गलतियां की, हालांकि, हम इससे बहुत कुछ सीखेंगे. हमने इससे पहले कई बार 160-170 रनों को चेज किया है और आज भी यही उम्मीद कर रहे थे. महिला टी-20 वर्ल्ड कप 2024 में टीम इंडिया ने पहला मैच न्यूजीलैंड के साथ खेला. इस मैच में कीवी टीम ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया. मुकाबले में कप्तान सोफी डिवाइन की 57 रनों की कप्तानी पारी की बदौलत न्यूजीलैंड ने बोर्ड पर 160/4 रनों का स्कोर लगाया. 161 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी टीम इंडिया 102 के स्कोर पर ही ऑलआउट हो गई. टीम का कोई भी बल्लेबाज क्रीज पर डट नहीं पाया और भारत को पहले ही मैच में 58 रनों से एक शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा.

विराट कोहली नहीं ऋषभ पंत है स्लेजिंग करने में माहिर, ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर ने खोला राज

नईदिल्ली(एजेंसी)। भारतीय टीम को अगले महीने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाना है. जहां, भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच 5 मैचों की बॉर्डर-गावस्कर सीरीज खेली जाएगी, जिसका फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. इस बीच स्टार स्पोर्ट्स ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर्स टीम इंडिया के उस खिलाड़ी का नाम बता रहे हैं, जो सबसे ज्यादा स्लेजिंग करता है. भारत-ऑस्ट्रेलिया सीरीज के ऑफिशियल ब्रॉडकास्टर स्टार स्पोर्ट्स ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है. इस वीडियो में ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ियों से मौजूदा टीम इंडिया के सबसे अधिक स्लेज करने वाले खिलाड़ी के बारे में पूछा गया. जवाब देने के लिए वहां मिचेल स्टार्क, जोश हेजलवुड, नाथन लियोन, पैट कमिंस, उस्मान ख्वाजा, ट्रेविस हेड और मार्नस लाबुशेन मौजूद थे. आपको ये जानकर हैरानी होगी कि सभी खिलाड़ियों ने ऋषभ पंत का नाम लिया. गौर करने वाली बात ये है कि हर कोई ऋषभ पंत की स्लेजिंग इंज्वॉय करता है. जब वह विकेट के पीछे होते हैं, तो लगातार कुछ ना कुछ बोलते ही रहते हैं. कई बार उनकी स्लेजिंग के वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल होते हैं. वैसे तो ऋषभ पंत सभी स्लेजिंग करने का कोई मौका नहीं छोड़ते. हाल ही में विजय हजारे ट्रॉफी के दौरान पंत को कुलदीप यादव को परेशान करता देखा गया था. हालांकि, ऋषभ ने अपनी स्लेजिंग को लेकर रिएक्शन भी दिया है कि वह किसी को परेशान करने के लिए नहीं बल्कि प्यार से स्लेजिंग करते हैं. अगले महीने 22 नवंबर से भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेली जाने वाली सम्मानित बॉर्डर-गावस्कर सीरीज की शुरुआत होने वाली है. इस बार ये सीरीज काफी स्पेशल होने वाली है, क्योंकि पहले बॉर्डर-गावस्कर सीरीज में 4-4 मैच खेले जाते थे. मगर, अब 5 मैचों की सीरीज खेली जाएगी.

इस एयरलाइन कंपनी ने वॉकी-टॉकी और पेजर पर लगाया बैन, जानें इस फैसले के पीछे की वजह

दुबई(एजेंसी)। दुबई की एमिरेट्स एयरलाइन ने अपने यात्रियों के लिए पेजर और वॉकी-टॉकी ले जाने पर प्रतिबंध लगा दिया है। पिछले महीने लेबनान में हुए पेजर और वॉकी-टॉकी विस्फोटों के बाद यह फैसला लिया गया है। रॉयटर्स के मुताबिक एयरलाइन ने शुक्रवार को अपनी वेबसाइट पर एक बयान में कहा, दुबई से आने-जाने वाले या दुबई से होकर जाने वाले सभी यात्रियों के चेक किए गए या केबिन बैगेज में पेजर और वॉकी-टॉकी ले जाने की मनाही है। बयान में कहा गया कि कोई भी प्रतिबंधित वस्तु पाए जाने पर उसे दुबई पुलिस द्वारा जब्त कर लिया जाएगा। मध्य पूर्व की सबसे बड़ी एयरलाइन ने यह भी घोषणा की कि इराक और ईरान के लिए फ्लाइट्स मंगलवार तक निलंबित रहेंगी, जबकि जॉर्डन के लिए सेवाएं रविवार को फिर से शुरू होंगी। ईरान समर्थित हिजबुल्लाह के खिलाफ बढ़ते इजरायली हमलों के कारण लेबनान के लिए फ्लाइट्स 15 अक्टूबर तक निलंबित रहेंगी। बता दें 17-18 सितंबर को, हिजबुल्लाह के हजारों पेजर और सैकड़ों रेडियो/वॉकी टॉकी में विस्फोट हुए। इन हमलों में 42 लोगों की मौत हो गई जबकि हजारों लोग घायल हुए। पेजर विस्फोट के लिए हिजबुल्लाह ने इजरायल को जिम्मेदार ठहराया लेकिन इजरायल ने इसकी सीधी जिम्मेदारी नहीं ली। पेजर विस्फोट इजरायल-लेबनान संघर्ष को खतरनाक रूप से बढ़ाने वाले साबित हुए। इसके बाद इजरायल ने लेबनान में हिजबुल्लाह ठिकानों पर एयर स्ट्राइक शुरू कर दी। 23 सितंबर से, इजरायल ने लेबनान में हवाई हमले तेज कर दिए। उसका कहना है कि यह कार्रवाई लेबानानी संगठन हिजबुल्ला के खात्मे के लिए की जा रही है। 27 सितंबर को बेरूत के दक्षिणी उपनगर में एक महत्वपूर्ण हमले में हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह और उसके कई सहयोगी मारे गए। वहीं इजरायल ने दक्षिणी लेबनान में जमीनी सैन्य अभियान भी शुरू कर दिया। 8 अक्टूबर, 2023 को हिजबुल्लाह ने गाजा में हमास के प्रति एकजुटता जाहिर करते हुए इजरायल पर रॉकेट दागने शुरू किए थे।

मेदवेदेव ने शंघाई में अर्नाल्डी कोृ हराया, बारिश के कारण युगल मैच रद्द

शंघाई(एजेंसी)। दानिल मेदवेदेव ने रविवार को एटीपी शंघाई मास्टर्स 1000 इवेंट में मातयो अर्नाल्डी को 5-7, 6-4, 6-4 से हराकर चौथे दौर में जगह बनाई। मेदवेदेव शंघाई में अगले दौर में 10वीं वरीयता प्राप्त स्टेफानोस सितसिपास या एलेक्जेंडर मुलर से भिड़ेंगे, जहां वह मई 2023 में रोम में जीत के बाद अपने पहले टूर-स्तरीय खिताब की तलाश में हैं। 28 वर्षीय रूसी खिलाड़ी चीन में एटीपी फाइनल्स क्वालीफिकेशन की दिशा में और कदम बढ़ाना चाहते हैं। वह वर्तमान में एटीपी लाइव रेस टू ट्यूरिन में चौथे स्थान पर हैं और लगातार छठे साल प्रतिष्ठित सीज़न के फाइनल में अपनी जगह पक्की करने की मजबूत स्थिति में हैं। मेदवेदेव ने मैच के शुरुआती गेम में अर्नाल्डी की सर्विस तोड़ी, लेकिन शुरुआती दौर में वह अपनी लय बरकरार नहीं रख पाए। इटालियन खिलाड़ी ने 1-3 से आठ में से छह गेम जीतकर पहला सेट अपने नाम किया। हालांकि, मेदवेदेव ने कुछ बेहतर सर्विस और निर्णायक सेट के नौवें गेम में एक निर्णायक, क्लिनिकल रिटर्न गेम की मदद से जीत हासिल करने का तरीका ढूंढ लिया। बारिश के कारण मेदवेदेव और अर्नाल्डी किझोंग फॉरेस्ट स्पोर्ट्स सिटी एरिना के अंदर छत के नीचे प्रतिस्पर्धा कर रहे थे, जिससे शंघाई मास्टर्स में लगातार दूसरे दिन बारिश के कारण खेल रुका रहा। एटीपी टूर ने कहा, एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट में कम से कम शाम 5 बजे तक बाहरी कोर्ट पर कोई मैच शुरू नहीं होगा।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने की सचिन तेंदुलकर के साथ शानदार साझेदारी, बनाया वैश्विक ब्रांड एंबेसडर

मुंबई: बड़े वैश्विक नेटवर्क वाले भारत के सबसे भरोसेमंद बैंकों में से एक, बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने आज क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर को बैंक के वैश्विक ब्रांड एंबेसडर के रूप में अनुबंधित किए जाने की घोषणा की। सचिन तेंदुलकर और बैंक ऑफ़ बड़ौदा के बीच यह साझेदारी बैंक के उत्कृष्टता और विश्वास जैसे बुनियादी मूल्यों पर आधारित है। यह साझेदारी एक ऐसे समय पर हुई है जब बैंक ऑफ़ बड़ौदा व्यवसाय विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ने के एक नए चरण में प्रवेश करने वाला है और सचिन की ब्रांड वैल्यू से इसे नई गति मिलेगी। बैंक ऑफ़ बड़ौदा सचिन के साथ मिलकर अपने पहले अभियान प्ले द मास्टरस्ट्रोक की शुरूआत कर रहा है। यह अभियान लोगों को प्रेरित करेगा कि वे एक मास्टरस्ट्रोक खेलें और एक सदी से अधिक की विरासत और करोड़ों लोगों के भरोसे पर खरे बैंक से जुड़कर अपने आर्थिक लक्ष्यों की पारी में एक बड़ा स्कोर बनाएं। भारत के विविधता पूर्ण प्रदेशों और देश के कोने-कोने में अपनी लोकप्रियता के साथ, बैंक ऑफ़ बड़ौदा के ब्रांड एंबेसडर के रूप में सचिन, बैंक के सभी ब्रांडिंग अभियानों, ग्राहक शिक्षा एवं वित्तीय साक्षरता कार्यक्रमों तथा धोखाधड़ी की रोकथाम पर जागरूकता अभियानों तथा ग्राहक एवं कर्मचारी जुड़ाव कार्यक्रमों का मुख्य आकर्षण बनेंगे। बैंक ऑफ़ बड़ौदा की 17 देशों में व्यापक उपस्थिति है और एक वैश्विक स्पोर्ट्स ब्रांड के रूप में सचिन वैश्विक मंच पर बैंक के ब्रांड को और ऊंचाई पर लेकर जाएंगे। इस साझेदारी के बारे में बात करते हुए, बैंक ऑफ़ बड़ौदा के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री देबदत्त चांद ने कहा, भारत के खेल दिग्गजों में से एक सचिन तेंदुलकर को अपना वैशविक ब्रांड एंबेसडर घोषित करना बैंक ऑफ़ बड़ौदा के लिए बहुत गौरव का क्षण है।

आदित्य इन्फोटेक लिमिटेड ने 1300 करोड़ रुपये तक के आईपीओ के लिए सेबी के पास दाखिल किया डीआरएचपी

आदित्य इन्फोटेक लिमिटेड ने बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। कंपनी ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम के माध्यम से इक्विटी शेयरों (प्रत्येक का अंकित मूल्य 5) की पेशकश के जरिये कुल 13000 मिलियन (1300 करोड़) तक का फंड जुटाने की योजना बनाई है। आदित्य इन्फोटेक लिमिटेड भारत में वीडियो सुरक्षा और निगरानी उत्पाद, समाधान और सेवाएं प्रदान करने वाली सबसे बड़ी कंपनी है, जिसका वित्तीय वर्ष 2024 में राजस्व के मामले में भारत में वीडियो निगरानी उद्योग में 20.2त्न हिस्सा है (स्रोत: एफएंडएस रिपोर्ट)। कंपनी अपने 'सीपी प्लस' ब्रांड के तहत एंटरप्राइज और कंज्यूमर क्षेत्रों के लिए एडवांस्ड वीडियो सुरक्षा और निगरानी प्रॉडक्ट्स,टेक्नोलॉजीज और सॉल्यूशंस की एक व्यापक श्रृंखला प्रदान करती है, जिसका मजबूत रिकॉल वैल्यू है। इसके अलावा, कंपनी सीधे और अपने वितरण नेटवर्क के माध्यम से पूरी तरह से एकीकृत सुरक्षा प्रणाली और सिक्युरिटी-एज-ए-सर्विस जैसे समाधान और सेवाएं प्रदान करती है। ये ऐसे सोल्यूशंस हैं जो बैंकिंग, बीमा, रियल एस्टेट, स्वास्थ्य सेवा, औद्योगिक, रक्षा, शिक्षा, हॉस्पिटिलिटी, मैन्युफेक्चरिंग, रिटेल और खुदरा और कानून प्रवर्तन जैसे क्षेत्रों में लगे ग्राहकों की आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। इस आरंभिक सार्वजनिक निर्गम में कुल ?5000 मिलियन (500 करोड़) तक के इक्विटी शेयरों का नया निर्गम (''नया निर्गम'') और विक्रय शेयरधारकों द्वारा कुल 8000 मिलियन (800 करोड़) तक का ऑफर फॉर सेल (''बिक्री के लिए पेशकश'') शामिल है।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, मंगलवार 08 अक्टूबर 2024

राज्य को सीआरआईएफयोजना के लिए मिली 892.36 करोड़ की स्वीकृति

रायपुर (विसं)। केंद्र सरकार ने छत्तीसगढ़ को बड़ी सौगात दी है. बेमेतरा, मुंगेली, राजनांदगांव, जशपुर, बिलासपुर और खैरागढ़ जिलों 8 राज्य सड़क खंड के विकास कार्य के लिए वित्त वर्ष 2024-25 सीआरआईएफ योजना के तहत 892.36 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी गई है. यह जानकारी केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने दी। सीएम विष्णुदेव साय ने ट्वीट कर कहा, छत्तीसगढ़ के लिए हर्ष का विषय है कि 8 राज्य सड़क खंडों के विकास के लिए 892.36 करोड़ रुपए की स्वीकृति केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने दी है.

स्वच्छता पखवाड़ा : पांचवे व छठवें दिन स्वच्छ रेलगाड़ी थीम पर मंडल से गुजरने वाली गाड़ियों में चलाया गया गहन स्वच्छता अभियान

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय रेलवे में स्वच्छ-रेल स्वच्छ-भारत के तहत स्वच्छता-पखवाडा का आयोजन किया जा रहा है। दिनांक 01 अक्टूबर से 15 अक्टूबर 2024 तक आयोजित इस स्वच्छता-पखवाडा में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर मंडल में प्रत्येक दिवसों के थीम के अनुसार विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

दिनांक 05 व 06 अक्टूबर को स्वच्छ रेलगाडी थीम पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। मंडल के नामित अधिकारियों और कर्मचारियों की टीमों द्वारा मंडल से गुजरने वाली गाडियों में स्वच्छता का गहन निरीक्षण किया गया। इस दौरान सभी गाडियों के विशेष रूप से टॉयलेट की साफ सफाई के साथ ही साथ भीतरी स्थानों में बेहतर सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की गई। डस्टबिन की उपलब्धता का भी निरीक्षण किया गया। गाड़ियों के पेंट्रीकार में स्वच्छता का विशेष निरीक्षण किया गया 7 पेंट्रीकार में ऑन ड्यूटि स्टाफ को स्वच्छता बनाए रखने के लिए आवश्यक निर्देश दिये गए। गाडियों के अंदर बायोटायलेट उपयोग करने के निर्देश, स्वच्छता जागरूकता संबंधित पोस्टर तथा रेल परिसर में गंदगी फैलाने पर रेलवे नियमानुसार जुर्माने के प्रावधानों को बताकर यात्रियों से गाड़ियों व रेल परिसर में स्वच्छता बनाये रखने का आग्रह किया गया। गाड़ियों में उपलब्ध ऑन बोर्डिंग हाउसकीपिंग स्टाफ का गहन निरीक्षण के दौरान उन्हें स्वच्छता से सबंधित दिशा निर्देश दिये गए। यात्रियों से गाड़ियों में उपलब्ध बायोटोयलेट के उचित प्रयोग की जानकारी प्रदान की गई। यात्रियों से स्वच्छता सबंधी प्रतिक्रिया भी ली गई।

करुणा श्री कैंसर हॉस्पिटल को जिला प्रशासन रायपुर ने किया सम्मानित

रायपुर (विश्व परिवार)। ज़िला स्वास्थ्य समिति रायपुर के द्वारा रायपुर जिले में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत उल्लेखनीय एवं उत्कृष्ट सेवाएं देने वाले 4 सरकारी हॉस्पिटल व 4 प्राइवेट हॉस्पिटल को सम्मानित किया गया। ज्ञात रहे ये सम्मान सरकार के द्वारा निर्धारित नियमों के पालन करने वाले हॉस्पिटल को दिया जाता है, कलेक्टर महोदय वसीएमएचओ रायपुर के द्वारा इस वर्ष ये सम्मान करुणा श्री कैंसर हॉस्पिटल दिया गया। करुणा श्री कैंसर हॉस्पिटल की तरफ़ से ये सम्मान डॉ. प्रशांत कसेर व डॉ नीलम लदेर ने प्राप्त किया। ज्ञात रहे करुणा श्री कैंसर हॉस्पिटल पचपेड़ी नाका स्थित है, जो विगत 5 सालों से कैंसर के ईलाज़ के लिये अपनी उत्कृष्ट सेवाये दे रहे है अबतक हज़ारो मरीज़ सेवा का लाभ उठा चुके है यंहा कीमोथेरेपी कैंसर सर्जरी रेडिएशन की सुविधा उपलब्ध है।

नन्हे हुनरबाज अग्रसेन महोत्सव का आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। ज्ञात हो कि श्री अग्रसेन महाराज जी के जयंती उपलक्ष पर छत्तीसगढ़ी अग्रवाल समाज द्वारा संचालित पुरानी बस्ती स्थित जे के दानी स्कूल एवं अग्रसेन पबलिक स्कूल के संयुक्त तत्वाधान में अंतर्शाले प्रतियोगिता नन्हे हुनरबाज अग्रवाल भवन पुरानी बस्ती में 4 अक्टूबर को आयोजित किया गया। इस प्रतियोगिता में पुरानी बस्ती एरिया के 10 स्कूलों के लगभग 80 बच्चो ने अपनी प्रतिभागिता दर्ज करवाई।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री अजय दानी जी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया, विभिन्न स्कूलों से आए बच्चो के बीच तत्काली। भाषण, मेहंदी, वाद विवाद और समूह गीत गान की प्रतियोगिता का आयोजन शानदार तरीके से हुआ जिसमे बच्चो की प्रतिभागिता देखते बनती थी।

अग्रसेन पब्लिक स्कूल, पांचझन्य विद्यालय, छत्रपति शिवाजी स्कूल, गणपत सिंधी स्कूल, सर्वोदय विद्यालय, जे के दानी स्कूल, पटेल विद्या मंदिर, ने बच्चो ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता बन अपने स्कूल का नेम रोशन किया।

छत्तीसगढ़ी अग्रवाल समाज के केंद्रीय पदाधिकारी गण एवं विभिन्न इकाइयों के सम्मति सदस्यों ने प्रतियोगिता में निर्णायक की महती भूमिका निभाई। समाज के केंद्रीय अध्यक्ष एवम मुख्य अतिथि श्री अनुराग अग्रवाल जी के हाथो समस्त विजेता प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र, मेडल, एवम शील्ड देकर सम्मान किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री निलेश अग्रवाल जी ने किया, , मंच संचालन शाला एडमिन आकांक्षा गुप्ता जी ने किया, , समिति सचिव श्रीमती पुष्पा अग्रवाल एवं समिति सदस्य निशांत अग्रवाल का कार्यक्रम की रूपरेखा में विशेष योगदान रहा। प्रायोजक के रूप में श्री श्याम जी अग्रवाल (राजिम वाले) का अमूल्य सहयोग प्राप्त हुआ। अंत में आभार प्रदर्शन प्रिंसिपल ललिता अग्रवाल ने किया।

छत्तीसगढ़ हाथकरघा वस्त्र प्रदर्शनी का भव्य शुभारंभ

रायपुर (विश्व परिवार)। राज्य स्तरीय हाथकरघा वस्त्रों की भव्य प्रदर्शनी का शुभारंभ श्री संजय श्रीवास्तव, पूर्व अध्यक्ष, रायपुर विकास प्राधिकरण एवं भाजपा प्रदेश महामंत्री के द्वारा किया गया। इस अवसर पर भाजपा युवा प्रकोष्ठ के श्री पीयूष मिश्रा एवं श्री पहलाद शादीजा, पूर्व अध्यक्ष, पूज्यनीय सिन्धु पंचायत, शंकर नगर, रायपुर एवं अन्य गण्यमान्य नागरिक उपस्थित रहें।

हाथकरघा वस्त्र प्रदर्शनी सिन्धु पैलेस, बीटीआई ग्राउण्ड के सामने, शंकर नगर, रायपुर में 13 अक्टूबर 2024 तक रहेगा। प्रदर्शनी हाथकरघा एवं खादी वस्त्रों की खरीदी पर 20-25 प्रतिशत विशेष छूट का लाभ मिलेगा।

प्रदर्शनी में कोसा एवं कॉटन क्षेत्र के सिद्धहस्त बुनकर एवं शिल्पियों के द्वारा निर्मित कोसा साड़ी ड्रेस मटेरियल, चादर, बेडशीट, लहूंगी, टॉवल, रूमाल, गमछा तथा हस्तशिल्प एवं माटीकला का अनेक कलाकृत्तियां तथा खादी ग्रामोद्योग की विभिन्न उत्पाद उपलब्ध है। प्रदर्शनी के प्राकृतिक कोसा फल का धागाकरण, करघे पर वस्त्र बुनाई एवं माटीशिल्प की विद्युत चॉक से माटी शिल्प की विभन्न उत्पादों का जीवन्त प्रदर्शन किया जा रहा है। प्रदर्शनी का समय 11 बजे रात्रि 9 बजे तक रहेगा एवं प्रवेश पूर्णत: नि:शुल्क रहेगा। प्रदर्शनी शुभारंभ के अवसर पर विभागीय अधिकारी श्री एम.एम. जोशी, श्री सी.ए. नोन्हारे, श्रीमती श्रुति गोयल, श्री एस.एल. ध्रुवे, श्री विपिन लालवानी एवं अन्य विभागीय कर्मचारी एवं नागरिकगण उपस्थित थे।

रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा ने डब्ल्यूआरएस दशहरा उत्सव की तैयारियां शीघ्र पूर्ण करने दिए निर्देश

सफाई, प्रकाश, पेयजल, बैरिकेटिंग सहित आवश्यक प्रबंध शीघ्र करने कहा

रायपुर (विश्व परिवार)। आज रायपुर उत्तर विधायक श्री पुरंदर मिश्रा ने डब्ल्यू आरएस दशहरा उत्सव की तैयारियों को शीघ्र पूर्ण करवाने के निर्देश दिए हैं. रायपुर उत्तर विधायक ने नगर निगम जोन 2, पीडब्ल्यूडी, पीएचई, छग विद्युत पावर कम्पनी के सम्बंधित अधिकारियों को डब्ल्यू आरएस दशहरा उत्सव की गरिमा के अनुरूप मैदान में सफाई, पेयजल, प्रकाश, बैरिकेटिंग सहित अन्य आवश्यक प्रबंधन प्रशासनिक तौर पर शीघ्र प्राथमिकता से पूर्ण करवाने के निर्देश दिए हैं. रायपुर उत्तर विधायक श्री पुरंदर मिश्रा ने डब्ल्यूआरएस दशहरा उत्सव समिति के श्री राधेश्याम विभार, पदाधिकारीगणों, से चर्चा की. रायपुर उत्तर विधायक ने नगर निगम जोन 2 जोन कमिश्नर डॉक्टर आर. के. डोंगरे, पीडब्ल्यूडी के कार्यपालन अभियंता श्री राजेश नशीने, सम्बंधित अन्य अधिकारीगणों को व्यवस्था के सम्बन्ध में आवश्यक निर्देश निरीक्षण के दौरान दिए।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने की सचिन तेंदुलकर के साथ शानदार साझेदारी, बनाया वैश्विक ब्रांड एंबेसडर

- बैंक ऑफ़ बड़ौदा में बदलाव की यात्रा में एक नए दौर की शुरुआत
- बहुत सारी सेवाओं की पेशकश के साथ एक प्रीमियम बैंक खाता 'बॉब मास्टरस्ट्रोक बचत खाता' की शुरुआत

सचिन तेंदुलकर की श्रेष्ठता एवं विश्वसनीयता तथा आम लोगों के बीच उनकी लोकप्रियता से बैंक की पहचान बनेगी सुदृढ़

मुंबई (विश्व परिवार)। बड़ेवैश्विक नेटवर्क वाले भारत के सबसे भरोसेमंद बैंकों में से एक, बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने आज क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर को बैंक के वैश्विक ब्रांड एंबेसडर के रूप में अनुबंधित किए जाने की घोषणा की। सचिन तेंदुलकर और बैंक ऑफ़ बड़ौदा के बीच यह साझेदारी बैंक के उत्कृष्टता और विश्वास जैसे बुनियादी मूल्यों पर आधारित है। यह साझेदारी एक ऐसे समय पर हुई है जब बैंक ऑफ़ बड़ौदा व्यवसाय विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ने के एक नए चरण में प्रवेश करने वाला है और सचिन की ब्रांड वैल्यू से इसे नई गति मिलेगी।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा सचिन के साथ मिलकर अपने पहले अभियान प्ले द मास्टरस्ट्रोक की शुरूआत कर रहा है। यह अभियान लोगों को प्रेरित करेगा कि वे एक मास्टरस्ट्रोक खेलें और एक सदी से अधिक की विरासत और करोड़ों लोगों के भरोसे पर खरे बैंक से जुड़कर अपने आर्थिक लक्ष्यों की पारी में एक बड़ा स्कोर बनाएं।

भारत के विविधता पूर्ण प्रदेशों और देश के कोने-कोने में अपनी लोकप्रियता के साथ, बैंक ऑफ़ बड़ौदा के ब्रांड एंबेसडर के रूप में सचिन, बैंक के सभी ब्रांडिंग अभियानों, ग्राहक शिक्षा एवं वित्तीय साक्षरता कार्यक्रमों तथा धोखाधड़ी की रोकथाम पर जागरूकता अभियानोंतथा ग्राहक एवं कर्मचारी जुड़ाव कार्यक्रमों का मुख्य आकर्षण बनेंगे। बैंक ऑफ़ बड़ौदा की 17 देशों में व्यापक उपस्थिति है और एक वैश्विक स्पोर्ट्स ब्रांड के रूप में सचिन वैश्विक मंच पर बैंक के ब्रांड को और ऊंचाई पर लेकर जाएंगे।

इस साझेदारी के बारे में बात करते हुए, बैंक ऑफ़ बड़ौदा के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री देबदत्त चांद ने कहा कि भारत के खेल दिग्गजों में से एक सचिन तेंदुलकर को अपना वैशविक ब्रांड एंबेसडर घोषित करना बैंक ऑफ़ बड़ौदा के लिए बहुत गौरव का क्षण है। सचिन एक वैश्विक आइकन हैं जिन्होंने हमेशा उदाहरण प्रस्तुत करते हुए नेतृत्व किया है औरअपने खेल से हमें प्रेरित किया है। जिस तरह उन्होंने अपने बेहतरीन कॅरियर के माध्यम से एक समूचे राष्ट्र को प्रेरित किया है, उसी तरह बैंक ऑफ़ बड़ौदा देश भर में करोड़ों लोगों के लिए एक विश्वसनीय साझेदार रहा हैऔरउनके वित्तीय लक्ष्यों की प्राप्ति में सहायक बन रहा है। सचिन नेतृत्व, उत्कृष्टता, विश्वास, निरंतरता जैसे जीवन मूल्यों और ऐसी विरासत के प्रतीक हैं जो बैंक ऑफ़ बड़ौदा की शताब्दी से अधिक की यात्रा के मूल आधार हैं। हम सचिन के साथ जुड़ने और इस साझेदारी को आगे ले जाने के लिए अत्यधिक उत्साहित हैं।

बैंक ने इस अवसर पर %बॉब मास्टरस्ट्रोक बचत खाता% की शुरुआत की भी घोषणा की, जो विशेष रूप से प्रीमियम सेवाओं के इच्छुक ग्राहकों के लिए डिज़ाइन किया गया एक विशिष्ट बचत बैंक खाता है। बॉब मास्टरस्ट्रोक बचत खाता की उत्पाद संरचना में इस श्रेणी की सर्वश्रेष्ठ सुविधाएं, विश्वसनीयता और दीर्घकालिक वित्तीय आयोजना शामिल हैं।

बैंक अपने हाई नेटवर्थ वाले ग्राहकों के लिए ऑफर्स को बढ़ाते हुए'बॉब मास्टरस्ट्रोक खाता फ्लेक्सी फिक्स्ड डिपॉजिट सुविधा' के माध्यम से खाते की शेष राशि पर उच्च ब्याज दर, रिटेल ऋण पर रियायती ब्याज दर, बॉब वर्ल्ड ऑपुलेंस वीज़ा इनफिनिट डेबिट कार्ड (मेटल संस्करण) और एक लाइफटाइम-निशुल्क एटर्ना क्रेडिट कार्ड (पात्रता की शर्त पर) जैसी कई सुविधाएंऑफर कर रहा है। बॉब मास्टरस्ट्रोक खाताधारकों को प्राथमिकता के आधार पर बैंकिंग/ वैल्थ मैनेजमेंट संबंधी सुझाव, उच्च नकद निकासी सीमा और अन्य विशेष सुविधाएं भी मिलेंगी। इसके लिए ग्राहकों को खाते में 10 लाख रुपये का तिमाही औसत शेष बनाए रखना होगा।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुएश्री सचिन तेंदुलकर ने कहा, मुझे बैंक ऑफ़ बड़ौदा, के साथ जुड़ते हुए खुशी है, और यह एकऐसी संस्था हैजो निरन्तर समय के साथ उन्नति के पथ पर अग्रसर है और आज के समय मे अपना स्थान कायम किए हुए है. एक सदी पहले एक छोटी सी शुरुआत से आगे बढ़ते हुए, बैंक ऑफ़ बड़ौदा आज उत्कृष्टता, सत्यनिष्ठा, नवोन्मेषिता के सिद्धांतों पर चलते हुए एक अग्रणी बैंकिंग संस्थान बन गया है। ये मूल्य मेरे दिल के करीब हैंऔर मेरा मानना है कि ये किसी भी कार्यकी सफलता के लिए महत्वपूर्ण हैं। मैं बैंक ऑफ़ बड़ौदा के साथ इस सहकार्यताको एक सार्थक पहल के रूप मे देखता हूँ. श्री चांद ने कहा कि हमारी सोच है कि देश का प्रत्येक नागरिक बैंक ऑफ़ बड़ौदा को अपने पसंदीदा बैंकिंग साझेदार के रूप में चुनते हुए मास्टरस्ट्रोक खेले।

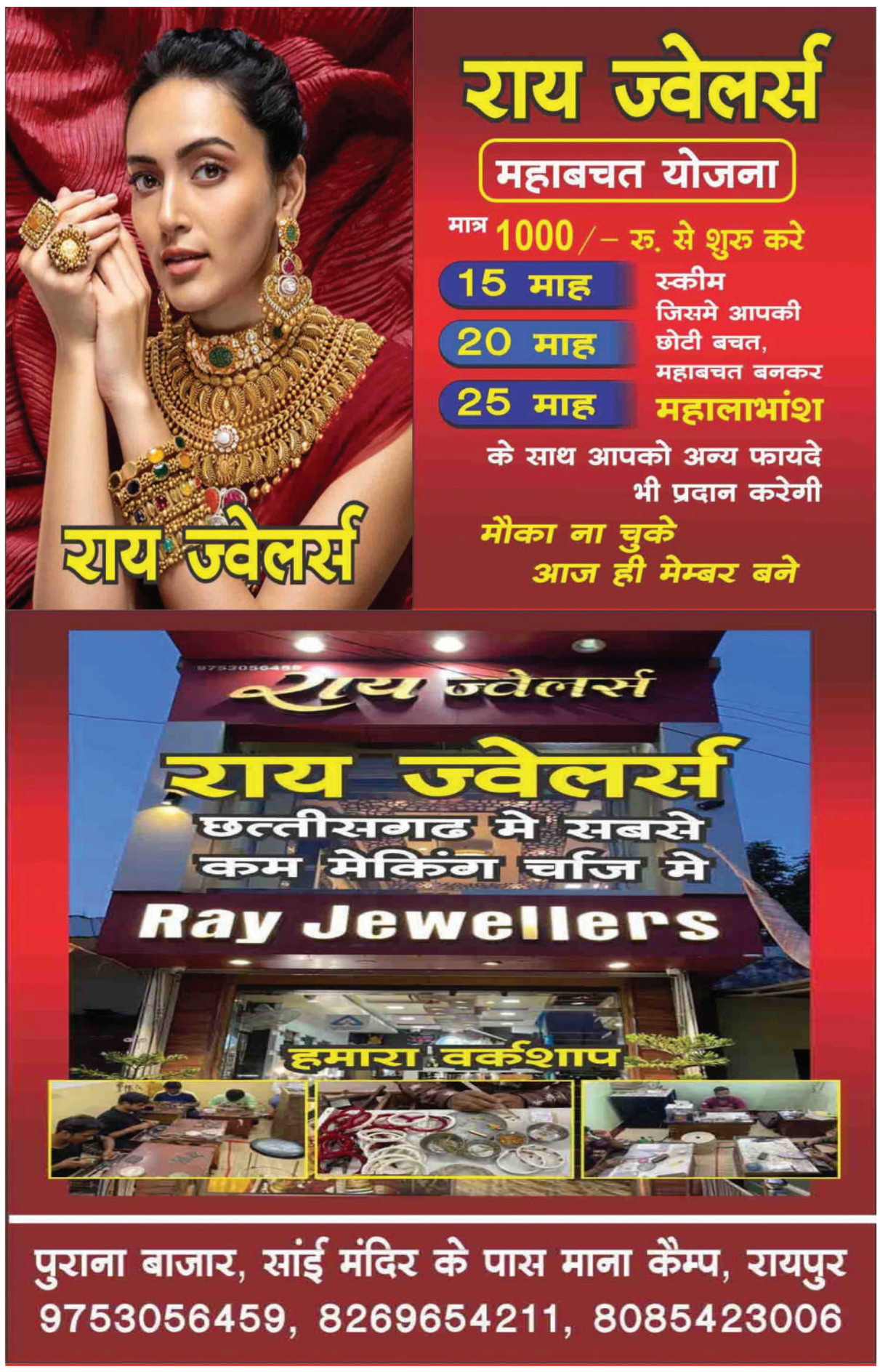

विधायक देवेन्द्र की न्यायिक हिरासत 21 तक बढ़ी

रायपुर (विसं)। बलौदाबाजार हिंसा मामले में जेल में बंद विधायक देवेंद्र यादव की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही है. आज फिर सुनवाई में कोर्ट ने विधायक की न्यायिक हिरासत की अवधि 21 अक्टूबर तक बढ़ा दी है। बता दें कि गुरु बाबा घासीदास की तपोभूमि गिरौदपुरी में सतनाम समाज के आस्था के केंद्र अमर गुफा में स्थित महकोनी मंदिर परिसर में आसामाजिक तत्वों ने जमकर तांडव मचाया था.